DBD
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

दो बजे दोपहर

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

वर्ष : 33 | अंक : 218 | पृष्ठ : 8 | मुंबई, गुरुवार, 24 अक्टूबर 2024 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल

आध्यात्मिक उपचार

निशांत के. शर्मा
न्यूमरोलॉजर, एस्ट्रोलॉजर, औरा एक्सपर्ट एंड वास्तु कंसल्टंट
मो. : 9305793058

आज गुरुपुष्य नक्षत्र है। ऐसे में यदि आपको लगता है कि घर में किसी तरह की नकारात्मक ऊर्जा है तो आपके लिए आज का दिन अत्यंत लाभकारी है। इसके लिए आपको एक मिट्टी का बर्तन लेना है, उसमें गुड़, कपूर और लौंग को जलाकर इसका धुआं करें। धुआं करते समय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः का जाप करें। इससे हर प्रकार की नकारात्मक ऊर्जा आपके घर या ऑफिस से समाप्त हो जाएंगी।

ज्ञान की खोज अनवरत करें; यह प्रकाश की कुंजी है। ज्ञान की खोज में हर प्रयास महत्वपूर्ण है।
- एंटोनी वैन ल्यूवेनहोक

सत्ता संग्राम : उम्मीदवारों की सूची का रेला

महायुति गठबंधन के दो और दलों की पहली सूची जारी | शिवसेना के 45 उम्मीदवार घोषित, शिंदे कोपरी-पंचपाखड़ी से मैदान में

एनसीपी की सूची में 38 उम्मीदवार अजित पवार बारामती से लड़ेंगे

अमित बृज | मुंबई

सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के दो और दलों शिवसेना और एनसीपी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में लिए बुधवार को अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी। शिवसेना ने 45 उम्मीदवार घोषित किए हैं, जबकि एनसीपी की सूची में 38 नाम शामिल हैं। इससे पहले भाजपा ने रविवार को 99 उम्मीदवारों की सूची जारी की थी।

शिवसेना ने आधा दर्जन से अधिक कैबिनेट मंत्रियों को उनकी परंपरागत सीट से उतारा

शिवसेना ने मुख्यमंत्री और पार्टी प्रमुख एकनाथ शिंदे को ठाणे शहर के कोपरी-पंचपाखड़ी से उम्मीदवार बनाया है। पार्टी ने आधा दर्जन से अधिक कैबिनेट मंत्रियों को उनकी परंपरागत सीट से उतारा है। सत्तारूढ़ पार्टी ने लगभग सभी विधायकों को फिर से नामित किया है, जिन्होंने जून 2022 में तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व करते हुए शिंदे का समर्थन किया था।

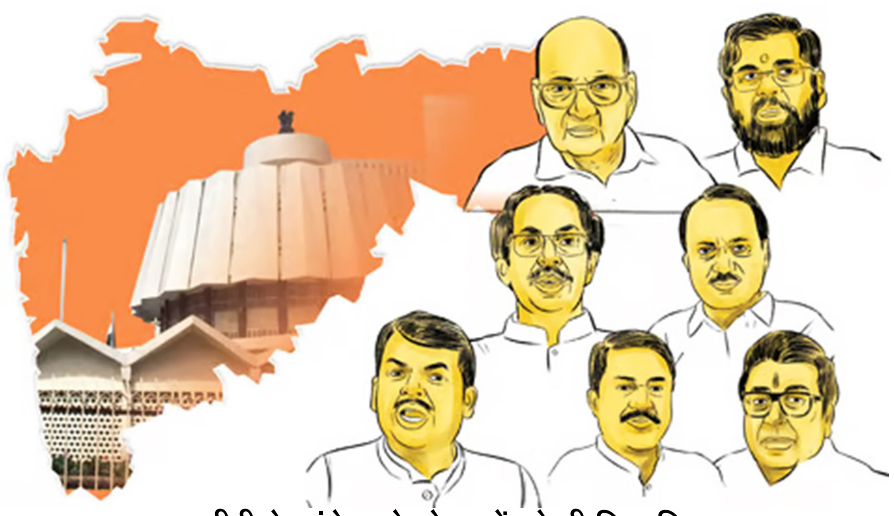

एनसीपी ने कांग्रेस छोड़ने वालों को भी दिया टिकट

एनसीपी की ओर से उपमुख्यमंत्री और पार्टी प्रमुख अजित पवार पुणे जिले की बारामती सीट से चुनाव लड़ेंगे। पार्टी की पहली सूची में मंत्रियों समेत उन 26 विधायकों को इस बार भी प्रत्याशी बनाया गया है जो सत्तारूढ़ खेमे में शामिल होने के समय अजीत के साथ थे। एनसीपी ने हाल में कांग्रेस छोड़कर आए विधायक सुलभा खोडके और हीरामन खोसकर को भी उम्मीदवार बनाया है। इसके अलावा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिवंगत माणिकराव गावित के बेटे भरत गावित को नवापुर से उम्मीदवार बनाया है। महाराष्ट्र विधानसभा के उपाध्यक्ष नरहरि जिरवाल को डिंडोरी और कैबिनेट मंत्री छगन भुजबल को येवला सीट से प्रत्याशी बनाया गया है।

महा विकास अघाड़ी में आप सपा और वाम दलों को भी सीटें

85-85 सीटों पर चुनाव लड़ेंगी कांग्रेस, एनसीपी (एसपी) और शिवसेना (यूबीटी)

मुंबई। कांग्रेस, एनसीपी (एसपी) और शिवसेना (यूबीटी) के महा विकास अघाड़ी ने बुधवार को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में 85-85 सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा की। साथ ही कहा कि सपा, पीडब्ल्यूपी, माकपा, भाकपा और आप को सीटें देकर गठबंधन में शामिल करेंगे। इसकी जानकारी देते हुए शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने बताया कि राज्य में चुनाव के लिए कुल 288 सीटों में से 270 पर सहमति बन गई है। हालांकि, गठबंधन में अंतिम सीट बंटवारे के लिए विचार-विमर्श अब भी जारी है। बाकी बची सीटों पर भी चर्चा चल रही है। वहीं, महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले ने कहा कि बची सीटें छोटी पार्टियों के लिए छोड़ी जाएंगी।

शिवसेना (यूबीटी) के 65 उम्मीदवार घोषित

शिवसेना (यूबीटी) ने 65 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची बुधवार शाम जारी कर दी। इमसें पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे को मुंबई के वर्ली से टिकट दिया गया है। ठाकरे के रिश्तेदार वरुण सरदेसाई बांद्रा (पूर्व) सीट से चुनाव लड़ेंगे। पार्टी ने अपने अधिकांश विधायकों को फिर से उम्मीदवार बनाया है जो 2022 में शिवसेना में विभाजन के बाद उद्धव ठाकरे के साथ बने रहे। ठाणे की कोपरी-पंचपाखड़ी सीट पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खिलाफ उद्धव गुट ने केदार दिघे को मैदान में उतारा है। दिघे दिवंगत आनंद दिघे के रिश्तेदार हैं। आनंद को शिंदे का राजनीतिक गुरु माना जाता है।

न्यूज़ ब्रीफ

बॉम्बे हाई कोर्ट ने बदलापुर पुलिस से कार्रवाई का ब्योरा मांगा

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने बुधवार को बदलापुर पुलिस से जुड़े 'गलत पुलिस अधिकारियों' के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और स्कूल परिसर के अंदर दो नाबालिगों से जुड़े यौन उत्पीड़न मामले की जांच में चूक के लिए की गई कार्रवाई का ब्योरा मांगा। राज्य के महाधिवक्ता बीरेंद्र सराफ ने न्यायमूर्ति रेवती मोहिते-डेरे और पृथ्वीराज चव्हाण की पीठ को सूचित किया कि पुलिस अधिकारियों के खिलाफ विभागीय जांच शुरू की गई थी और एक अधिकारी को कर्तव्य में लापरवाही का दोषी पाया गया है।

तुर्की की एविएशन साइट पर आतंकी हमला'

अंकारा। तुर्किये में एयरोस्पेस और डिफेंस कंपनी TUSAS पर बुधवार, 23 अक्टूबर को हमला हुआ। इस हमले में अब तक 4 लोगों की मौत हो गई है जबकि 14 घायल हैं। हमला भारतीय समय के मुताबिक शाम 6:30 बजे हुआ। तुर्किये के गृहमंत्री आली यरलीकाया ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि ये हमला राजधानी अंकारा से 40 किमी दूर कहरामंकाजान में हुआ। सुरक्षा बलों ने 2 हमलावरों को भी मार गिराया है। हालांकि ये अभी तक साफ नहीं है कि हमले के पीछे कौन हैं। हमलावर एक टैक्सी में पहुंचे थे। यहां पहुंचकर उन्होंने पहले बम ब्लास्ट किया और फिर फायरिंग शुरू कर दी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, टैक्सी में कुल 3 लोग सवार थे।

जय शेट्टी हत्याकांड

छोटा राजन को मिली जमानत

धीरज सिंह | मुंबई

2001 में होटल व्यवसायी जय शेट्टी की हत्या के संबंध में गैंगस्टर छोटा राजन को दी गई उम्रकैद की सजा बुधवार को निलंबित कर दी। हाई कोर्ट ने छोटा राजन को जमानत दे दी है। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति पृथ्वीराज चह्वाण की खंडपीठ ने राजन को एक लाख रुपए के मुचलके पर जमानत दी। बहरहाल, राजन अन्य आपराधिक मामले के संबंध में अभी जेल में ही रहेगा। इस साल मई में एक विशेष अदालत ने राजन को होटल व्यवसायी की हत्या के मामले में दोषी ठहराया था और उसे उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

दिल्ली की तिहाड़ जेल से 11 साल बाद बाहर आएगा छोटा राजन

चार मई 2001 को हत्या

सेंट्रल मुंबई के गामदेवी में 'गोल्डन क्राउन' होटल के मालिक जय शेट्टी की चार मई 2001 को होटल की पहली मंजिल पर राजन गिरोह के कथित सदस्यों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।

दिल्ली की तिहाड़ जेल में है छोटा राजन

जांच से पता चला था कि शेट्टी को छोटा राजन गिरोह के एक सदस्य हेमंत पुजारी से वसूली का फोन आया था और पैसे न देने के कारण उसकी हत्या की गई थी। वरिष्ठ क्राइम रिपोर्टर जे डे की हत्या के जुर्म में उम्रकैद की सजा काट रहा राजन अभी दिल्ली की तिहाड़ जेल में है।

पिछले साल डॉ. दत्ता सामंत हत्याकांड से हुआ था बरी

पिछले साल, एक विशेष केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) अदालत ने राजन को प्रसिद्ध मुंबई ट्रेड यूनियन नेता डॉ दत्ता सामंत की हाई-प्रोफाइल हत्या की साजिश रचने के आरोप से बरी कर दिया था, जिनकी 1997 में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

फिलहाल जेल में ही रहेगा छोटा राजन

फिलहाल छोटा राजन के जल्द ही जेल से रिहा होने की संभावना नहीं है, क्योंकि वह विभिन्न शहरों में कई अन्य मामलों में मुकदमे का सामना कर रहा है। अदालत ने कहा, 'इस मामले में, डॉ. दत्ता सामंत की हत्या की साजिश के संबंध में आरोपियों के खिलाफ कोई भी सबूत रिकॉर्ड पर नहीं आया है।' डॉ. सामंत की 16 जनवरी, 1997 को पद्मावती रोड पर चार लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी, जब वह अपनी जीप में पवई से घाटकोपर जा रहे थे। हालांकि 2000 में हत्या के लिए तीन लोगों को दोषी ठहराया गया था, लेकिन राजन का नाम मामले में वांछित आरोपियों में शामिल था। उसे 2015 में इंडोनेशिया में गिरफ्तार किया गया और मुंबई लाया गया।

साइक्लोन 'दाना' को लेकर हाई अलर्ट

- ओडिशा में 288 राहत टीमें तैनात
- 6 हजार राहत शिविर बनाए
- 10 लाख लोग शिफ्ट हो रहे
- 550 से ज्यादा ट्रेनें कैंसिल

एजेंसी | पुरी/कोलकाता

अंडमान सागर से उठा चक्रवाती तूफान 'दाना' बंगाल की खाड़ी की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। इसका असर अभी से दिखने लगा है जिसकी वजह से कई राज्यों के तटीय इलाकों में बारिश के साथ मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। मौसम विभाग के अनुसार तूफान का सबसे ज्यादा असर ओडिशा पर पड़ेगा। करीब आधे राज्य में इसका बहुत ज्यादा प्रभाव देखने को मिलेगा। तूफान अभी 500 km दूर है, लेकिन 13 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से आगे बढ़ रहा है। मौसम विभाग ने तूफान दाना के 24 अक्टूबर की सुबह तक बंगाल की खाड़ी में गंभीर चक्रवाती तूफान में बदलने की आशंका जताई है। ये 24

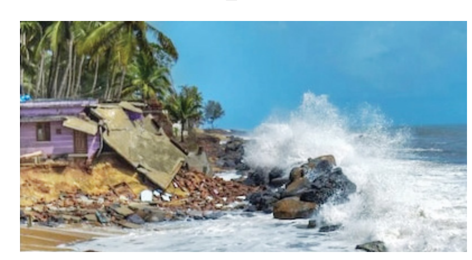

अक्टूबर की रात से 25 अक्टूबर की सुबह तक कभी भी ओडिशा के पुरी जिले और पश्चिम बंगाल के सागर नाम के टापू (दक्षिण 24 परगना जिले में) के बीच टकरा सकता है। इस दौरान हवा की रफ्तार 120 KMPH तक हो सकती है।

'हिट एंड रन' मामले में सांसद हंडोरे के बेटे को जेल से रिहा करने का आदेश

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय ने बुधवार को एक अंतरिम आदेश में कहा कि 'हिट एंड रन' मामले में कांग्रेस सांसद चंद्रकांत हंडोरे के बेटे गणेश को तुरंत जेल से रिहा किया जाए। इस घटना में एक व्यक्ति घायल हो गया था। उच्च न्यायालय ने दुर्घटना के समय कथित तौर पर कार चला रहे गणेश हंडोरे के खिलाफ गैर इरादतन हत्या के प्रयास का आरोप लगाने की पुलिस कार्रवाई की निंदा की और इसे कानूनी प्रावधान के दुरुपयोग का ''अनोखा मामला'' बताया। गणेश हंडोरे को अक्टूबर के पहले सप्ताह में मुंबई के गोवंडी पुलिस ने उपनगरीय चेंबूर में 'हिट एंड रन' मामले के सिलसिले में गिरफ्तार किया था, जिसमें एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया था।

विमानों में बम की धमकी पर सरकार की एक्स के अधिकारियों को फटकार

एजेंसी | नई दिल्ली

बीते एक सप्ताह से देश के अलग-अलग हिस्सों में विमानों में बम रखने की मिल रही धमकियों के बीच सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स और मेटा के अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई है। बताया जा रहा है कि बुधवार को इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के संयुक्त सचिव संकेत एस भोंडवे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से जुड़े अधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक की। इसमें सोशल मीडिया पर पोस्ट की जा रही धमकियों को लेकर कड़ी नाराजगी जाहिर की गई।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ऐसी धमकियों पर अंकुश न लगाए जाने को लेकर जताई नाराजगी

सूत्रों का कहना है कि बैठक में मंत्रालय के अधिकारी ने ऐसी धमकी के लगातार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से पोस्ट किए जाने का मुद्दा काफी गंभीर है। ऐसी पोस्ट को रोकने में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के असफल होने पर कड़ी नाराजगी भी जाहिर की। ऐसे मामलों में समय पर कार्रवाई न करना अपराध को बढ़ावा देने के बराबर है। इसलिए तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करें। अगर कोई ऐसी धमकी को पोस्ट कर रहा है तो उसकी रियल टाइम जानकारी सुरक्षा एजेंसियों को भी दी जाए, जिससे कि धमकी देने वाले शरारती तत्वों पर सख्ती से कार्रवाई की जा सके। बैठक में शामिल हुए एक्स व मेटा के अधिकारियों से पूछा गया कि अभी तक उन्होंने क्या कार्रवाई की है? कितने खातों को ब्लॉक किया गया है और जांच एजेंसी को कितने मामले में विस्तृत जानकारी दी गई है। इस दौरान बैठक में विमानन कंपनियों के अधिकारी भी जुड़े, जिन्होंने विस्तार से बताया कि उन्हें किस समय पर विमान में बम रखे होने की धमकियां मिली।

नशामुक्त भारत | कई अलग-अलग रूट से हो रही है तस्करी, इंटरपोल ने ऑपरेशन नेप्च्यून चलाया

ड्रग्स के खिलाफ वैश्विक सहयोग बढ़ाकर मुहिम तेज करेगा भारत

एजेंसी | नई दिल्ली

भारत इंटरपोल के साथ मिलकर समुद्री सीमा से नशीले पदार्थों की तस्करी को रोकने की मुहिम तेज करेगा। कई देश इस तरह का ऑपरेशन साझा रूप से चला रहे हैं। एक अधिकारी ने कहा कि ड्रग्स तस्कर अपना रूट लगातार बदल रहे हैं। हमें इसके खिलाफ नेटवर्क को मजबूत बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों से सहयोग बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि ड्रग्स तस्करी के तीन बड़े रूट पर शिकंजा कसने की कोशिशें जारी हैं।

कई चुनौतियां सामने

- बांग्लादेश की अस्थिरता खत्म नहीं हो रही
- म्यांमार अफीम की खेती में नंबर वन बना
- पाकिस्तान और अफगानिस्तान का तो पहले से बुरा हाल
- समुद्र के रास्ते ड्रग्स तस्करी बढ़ रही

तीन बड़े रूट में पहला अफगानिस्तान

अधिकारियों ने बताया कि इन तीन बड़े रूट में पहला अफगानिस्तान है, जहां से ड्रग्स की बड़ी खेप पाकिस्तान पहुंचती है। ये नशीले पदार्थ पाकिस्तान की फैक्ट्री में रिफाइन होते हुए भारत आते हैं। दूसरा रूट अरब सागर, बंगाल की खाड़ी के रास्ते यानी समुद्री मार्ग और तीसरा म्यांमार होते हुए उत्तर पूर्व में नशीले पदार्थ पहुंचते हैं।

14 देशों की कानून प्रवर्तन एजेंसियां जुटीं

इंटरपोल ने ऑपरेशन नेप्च्यून चलाकर समुद्री मार्गों के साथ हवाई अड्डों और भूमि सीमाओं पर सुरक्षा उपायों तथा प्रतिक्रियाओं को मजबूत किया है। करीब 14 देशों की कानून प्रवर्तन एजेंसियों को एक साथ लाया गया है। उपकरणों से सुसज्जित इंटरपोल की टीम हर देश के स्थानीय अधिकारियों को इंटरपोल डाटाबेस तक पहुंच प्रदान करती है। आपस में खुफिया जानकारी साझा करने के साथ नेटवर्क पर प्रहार के लिए एक-दूसरे की मदद की जाती है। यह ऑपरेशन विदेशी आतंकवादी लड़ाकों, हथियारों की तस्करी और मानव तस्करी के लिए जिम्मेदार आपराधिक समूहों के पैटर्न की पहचान और विश्लेषण करने पर भी केंद्रित है।

नए-पुराने कई रूट के जरिए तस्करी बढ़ी

ड्रग्स तस्करी नए-पुराने कई रूट के जरिए भारत में पैठ जमा रही है। एक रूट ईरान से अरब सागर के रास्ते पाकिस्तान और फिर लक्षद्वीप तक आता है। इसी रूट से ड्रग्स कोमोरोस आइलैंड और ऑस्ट्रेलिया भी पहुंचती है। जब समुद्र के रास्ते ड्रग्स केरल पहुंचती है तो वहां से कर्नाटक, गोवा और महाराष्ट्र के तटीय हिस्सों में आती है। यह तस्करी पानी वाले जहाजों से होती है। एक रास्ता पाकिस्तान-ईरान से सीधे पोरबंदर गुजरात का है। श्रीलंका से आने वाली ड्रग्स तमिलनाडु पहुंचती है।

ड्रोन और सुरंगों से भी सप्लाई : पाकिस्तान से कश्मीर तक नशीले पदार्थ ड्रोन और भूमिगत सुरंगों के रास्ते आते हैं। म्यांमार से असम, मणिपुर के रास्ते ड्रग्स पश्चिम बंगाल, ओडिशा और आंध्र प्रदेश, तेलंगाना आता है। केरल के इडुक्की, मुन्नार, तमिलनाडु के कम्बम थेनी, मुंडकयम भी ड्रग्स सप्लाई के रूट हैं।

नालासोपारा में हुए हत्याकांड का आरोपी 16 साल बाद गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता | पालघर

महाराष्ट्र में हुई एक हत्या के मामले में वांछित व्यक्ति को अपराध के करीब 16 साल बाद भदोही, उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया गया है। सोमवार को पकड़ा गया यह आरोपी विनोद कुमार है। सहायक पुलिस आयुक्त (अपराध) मदन बल्लाल ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी विनोद कुमार को मीरा-भयंदर-वसई-विरार (एमबीवीवी) पुलिस आयुक्तालय की केंद्रीय अपराध इकाई ने सोमवार को भदोही से गिरफ्तार किया गया।

16 साल पहले नालासोपारा इलाके में हुई थी प्रवीण प्रभाकर की हत्या

19 जनवरी, 2009 को हुई थी हत्या

26 वर्षीय प्रवीण प्रभाकर धुले की हत्या 19 जनवरी, 2009 को नालासोपारा के एक गांव में हुई थी। प्रवीण एक समूह ने हमला किया था। दो आरोपियों सिकंदर इमरान शेख और अनिल दुर्वी सिंह ने धुले पर नजदीक से गोली चलाई थी, जिससे उसकी मौत हो गई।

उत्तर प्रदेश से गिरफ्तारी

हाल ही में पुलिस को सूचना मिली कि वह भदोही, उत्तर प्रदेश में छिपा हुआ है। केंद्रीय अपराध शाखा के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राहुल राखा ने बताया कि तत्काल कदम उठाते हुए अपराध शाखा की टीम ने कुछ दिन पहले विनोद कुमार को उसके आवास से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने विनोद कुमार को आगे की जांच के लिए नालासोपारा भेजने के लिए स्थानीय अदालत से ट्रांजिट रिमांड हासिल की।

2011 तक 12 लोगों को गिरफ्तार कर आरोपपत्र दाखिल

पुलिस अधिकारी ने बताया कि उनके खिलाफ आईपीसी की धारा 302 (हत्या), 144 (अवैध रूप से एकत्र होना), 147 (दंगा) और 120बी (आपराधिक साजिश) के साथ-साथ शस्त्र अधिनियम और एससी/एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज हुआ था। घटना के बाद पुलिस ने 2011 तक 12 लोगों को गिरफ्तार कर आरोपपत्र दाखिल किया था। लेकिन विनोद कुमार हत्या के दिन से ही फरार रहने में कामयाब रहा।

शिंदे के गढ़ में शिवसेना को लग रहे लगातार झटके

एक और शिवसेना के उप शहर प्रमुख ने छोड़ी पार्टी

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे जिले की मुरबाड विधानसभा क्षेत्र से महायुति की ओर से भाजपा के किसन कथोरे को एक बार फिर से भाजपा ने उम्मीदवारी घोषित की है। कथोरे को टिकट मिलते ही महायुति में महाभारत छिड़ चुका है। महायुति में शामिल शिवसेना पदाधिकारियों के बगावत के सुर उठने के बाद अब भाजपा विधायक और उम्मीदवार किसन कथोरे ने शिवसेना को झटका देना शुरू कर दिया है। बुधवार की सुबह विधायक किसन कथोरे की मौजूदगी में शिवसेना के उप शहर प्रमुख तेजस म्हस्कर ने शिवसेना से नाता तोड़ते हुए भाजपा में धूमधाम से प्रवेश किया। बदलापुर शिवसेना (शिंदे) के शहर प्रमुख वामन म्हात्रे के लिए यह बड़ा झटका समझा जा रहा है। क्योंकि वामन महात्रे दो दिन पहले घोषणा कर चुके है की वह मुरबाड से निर्दलीय चुनावी समर में उतरेंगे, जिससे भाजपा खेमे में बेचैनी महसूस की थी। तेजस महस्कर का क्षेत्र में प्रभाव व दबदबा है जिसका भाजपा को लाभ मिलेगा।

हम विकास के विचारों से एकजुट हैं

तेजस महस्कर की भाजपा में प्रवेश प्रक्रिया के बाद स्थानीय पत्रकारों से बातचीत करते हुए किसन कथोरे ने कहा कि "शिवसेना हमारी सहयोगी पार्टी है। समान विचार धारा तथा विकास के मुद्दे को लेकर हम आगे बढ़ रहे है। इसके अलावा मैं गुरुवार को आवेदन पत्र भी भरने जा रहा हूं। तेजस हमारे परिवार का बेटा है और उसके पिता के साथ मेरा करीबी रिश्ता है। वह मेरा समर्थन करने के लिए भाजपा में शामिल हुआ है।" बीजेपी उम्मीदवार किसन कथोरे ने कहा कि हमारी ताकत बढ़ी है। प्रतिदिन सैकड़ों कार्यकर्ता प्रवेश कर रहे हैं। हाल ही में मुस्लिम भाई भी शामिल हुए। कथोरे ने कहा कि यह एक अलग जीत की शुरुआत है। साथ ही यह किसी को झटका देने की कोशिश नहीं है। हम विचारों के साथ एक साथ आ रहे हैं।

निर्दलीय चुनाव में उतरने की तैयारी

बगावत का दूसरा निशाना बदलापुर शिवसेना के शहर प्रमुख और पूर्व शहर अध्यक्ष वामन म्हात्रे करने की तैयारी में हैं। ऐसी संभावना है कि वामन म्हात्रे बिना किसी पार्टी में शामिल हुए निर्दलीय के तौर पर विधानसभा चुनाव मैदान में होंगे। उनके करीबियों की बात पर यदि विश्वास किया जाए तो म्हात्रे 28 अक्टूबर को निर्दलीय के रूप में अपना नामांकन दाखिल करने की तैयारी कर रहे हैं।

इन्होंने भी छोड़ी पार्टी

बता दें कि सोमवार को शिवसेना शिंदे गुट के भिवंडी लोकसभा संपर्क प्रमुख और पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष सुभाष पवार शिवसेना के कुछ पदाधिकारियों के साथ एनसीपी (शरदचंद्र पवार) में शामिल हो गए है। उन्होंने वरिष्ठ नेता शरद पवार से मुलाकात की और प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल, सांसद सुप्रिया सुले की मौजूदगी में एनसीपी (शरदचंद्र पवार) में प्रवेश किया।

उल्हासनगर 141 विधानसभा में महायुति में बगावत

राकांपा को उमीदवारी नहीं देने पर पार्टी से सामूहिक इस्तीफा

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

महायुति द्वारा अभी तक उल्हासनगर विधसभा क्षेत्र 141 से भाजपा विधायक कुमार आयलानी की उम्मीदवारी की घोषणा नहीं की है। भाजपा के सर्वे में यह सीट धोखे में होने की बात सामने आ रही है। इसलिए यहाँ से राकांपा (अजित गट) को उम्मीदवरी दी जाने की मांग की गई। मांग पूरी नहीं होने पर पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं द्वारा सामूहिक इस्तीफा देने की बात राष्ट्रवादी पार्टी के उल्हासनगर शहर जिला अध्यक्ष भरत गंगोत्री ने एक पत्रकार परिषद में कही।

राष्ट्रवादी पार्टी ने उल्हासनगर विधानसभा सीट पर किया दावा

कैम्प -5 स्थित नेताजी स्थित एनसीपी मुख्य कार्यालय में कार्यकर्ता आढावा बैठक का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर राकांपा शहर जिला अध्यक्ष भरत गंगोत्री ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि उल्हासनगर विधानसभा क्षेत्र 141 से विधायक कुमार आयलानी की महायुति के नेताओं को भेजी गई निगेटिव रिपोर्ट के कारण उनका टिकट काट दिया गया है। इसलिए अभी तक उनकी उम्मीदवारी घोषित नहीं की गई है। उल्हासनगर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 141 से दो बार एनसीपी के विधायक चुने गए, इसलिए इस बार महायुति नेताओं को उल्हासनगर 141 निर्वाचन क्षेत्र से एनसीपी पार्टी को उम्मीदवार बनाना चाहिए। पत्रकार परिषद में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि अगर राकांपा का उम्मीदवार नहीं दिया गया तो पार्टी के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता सामूहिक इस्तीफा दे देंगे। इस समीक्षा बैठक में प्रदेश निरीक्षक वाजपेयी, महाराष्ट्र प्रदेश सरचिटणीस सोनिया धामी, शहर जिला अध्यक्ष भरत गंगोत्री, उपाध्यक्ष शालिग्राम सोनावणे, सुभाष हटकर,भटक्या विमुक्त जाति के शहर अध्यक्ष नाना चौगुले, विकास खरात, युवा अध्यक्ष रोहित गमलाडू सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

अखंड श्री राम चरित मानस पाठ का आयोजन

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

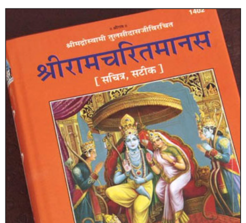

हरि ओम मानव सेवा संस्था द्वारा धोबीघाट परिसर स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर में 24 अक्टूबर गुरुवार से श्रीरामचरितमानस का अखंड पाठ का आयोजन किया जा रहा है. आज सुबह प्रारंभ होकर दूसरे दिन शुक्रवार को पूर्णाहुति, हवन,भजन ,भंडारे के साथ समापन होगा। उल्हासनगर-1 धोबीघाट परिसर स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर में आये दिन धार्मिक व संस्कुर्तिक कार्यक्रम का आयोजन होता रहता है इसी क्रम में आज संस्था के संस्थापक अध्यक्ष राजेश त्रिपाठी के मार्गदर्शन में श्रीरामचरितमानस का अखंड पाठ का आयोजन किया गया है।इस कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के पदधिकारी कड़ी मेहनत कर रहे हैं। साथ लोगो से मानस पाठ का श्रवण कर अपने जीवन को धन्य बनाएं और प्रसाद ग्रहण करने की अपील की है।

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को टक्कर देंगे केदार दिघे

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की कड़ी में राज्य के ठाणे जिले में एक रोमांचक चुनावी जंग की शुरुआत हो रही है। दरअसल उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खिलाफ शिवसेना के दिग्गज नेता दिवंगत आनंद दिघे के भतीजे केदार दिघे को उम्मीदवार घोषित किया है।

शिंदे के राजनीतिक गुरु के भतीजे हैं केदार दिघे

बता दें कि सीएम एकनाथ शिंदे दिवंगत आनंद दिघे को अपना राजनीतिक गुरु बताते हैं, उन्होंने बाल ठाकरे की विचारधारा के प्रति उनकी निष्ठा पर जोर दिया, जबकि अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी उद्धव पर निशाना साधा। शिवसेना (यूबीटी) की ठाणे जिला इकाई के प्रमुख केदार दिघे शिंदे के गृह निर्वाचन क्षेत्र कोपरी-पाचपाखाडी में उनके खिलाफ चुनाव लड़ेंगे। शिवसेना (यूबीटी) ने बुधवार शाम को 20 नवंबर को होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के लिए 65 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की।

2009 से लगातार चुनाव जीत रहे हैं सीएम शिंदे

ठाणे के सांसद नरेश म्हास्के ने कहा कि सीएम शिंदे 28 अक्टूबर को अपना नामांकन पत्र दाखिल कर सकते हैं, जो चुनाव तैयारियों की देखरेख कर रहे हैं। बता दें कि सीएम एकनाथ शिंदे 2009 से शिवसेना (अविभाजित) उम्मीदवार के रूप में कोपरी-पचपाखड़ी निर्वाचन क्षेत्र से जीतते आ रहे हैं।

कई अन्य विधानसभा सीटों पर कांटे की लड़ाई

पूर्व सांसद और उद्धव ठाकरे के वफादार राजन विचारे को ठाणे विधानसभा क्षेत्र से मौजूदा भाजपा विधायक संजय केलकर के खिलाफ मैदान में उतारा गया है। इस निर्वाचन क्षेत्र में त्रिकोणीय मुकाबला होने की संभावना है, क्योंकि मनसे ने अविनाश जाधव को टिकट दिया है। शिवसेना (यूबीटी) ने ठाणे शहर की सीमा में ओवला-मजीवाड़ा क्षेत्र से पूर्व उप महापौर नरेश मानेरा को उम्मीदवार बनाया है, जिनका मुकाबला शिंदे सेना के विधायक प्रताप सरनाईक से है।

'एक से ज्यादा शादियों का रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं मुस्लिम पुरुष'

बॉम्बे हाईकोर्ट ने सुनाया अहम फैसला

डीबीडी संवाददाता | मुंबई/ठाणे

बॉम्बे हाईकोर्ट ने अपने एक अहम फैसले में कहा है कि मुस्लिम पुरुष अपनी एक से ज्यादा शादियों का रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं, क्योंकि उनके व्यक्तिगत कानून उन्हें एक समय में चार शादियां करने की अनुमति देते हैं। यह फैसला उस याचिका पर सुनवाई के दौरान आया, जिसमें एक मुस्लिम व्यक्ति ने अपनी तीसरी शादी का रजिस्ट्रेशन कराने की मांग की थी। यह शादी फरवरी 2023 में एक अल्जीरियाई महिला से हुई थी, लेकिन महाराष्ट्र के एक शादी अधिनियम के आधार पर इसे रजिस्टर करने से इनकार कर दिया गया था।

दंपति को दो सप्ताह के भीतर सभी जरूरी दस्तावेज जमा करने का निर्देश

कोर्ट ने दंपति को दो सप्ताह के भीतर सभी जरूरी दस्तावेज जमा करने के निर्देश दिए। दस्तावेज मिलने के बाद, नगर निगम को 10 दिनों के भीतर शादी का प्रमाणपत्र जारी करने या व्यक्तिगत सुनवाई के बाद इसे अस्वीकार करने का आदेश दिया गया। तब तक महिला के खिलाफ कोई सख्त कदम नहीं उठाए जाएंगे, जिनका पासपोर्ट मई में समाप्त हो चुका है।

ठाणे नगर निगम ने किया था मना

ठाणे नगर निगम ने इस शादी को रजिस्टर करने से इसलिए मना कर दिया था क्योंकि महाराष्ट्र वैवाहिक ब्यूरो और विवाह पंजीकरण अधिनियम के तहत एक ही शादी का जिक्र है, और इसमें कई शादियों की बात नहीं की गई है। 15 अक्टूबर को सुनवाई के दौरान जस्टिस बीपी कोलाबावाला और सोमशेखर सुंदरशन की बेंच ने नगर निगम के इस फैसले को पूरी तरह से गलत करार दिया और कहा कि यह अधिनियम मुस्लिम पुरुषों को एक से ज्यादा शादियों का रजिस्ट्रेशन कराने से नहीं रोकता है, क्योंकि मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत उन्हें एक समय में चार पत्नियां रखने की अनुमति है। कोर्ट ने कहा, ₹मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत मुस्लिम पुरुषों को एक समय में चार शादियां करने का अधिकार है। ऐसे में हम ठाणे नगर निगम के इस तर्क को नहीं मान सकते कि मुस्लिम पुरुष के मामले में इस अधिनियम के तहत केवल एक शादी का रजिस्ट्रेशन हो सकता है।₹ इसके अलावा, कोर्ट ने यह भी बताया कि ठाणे नगर निगम ने पहले उस याचिकाकर्ता की दूसरी शादी का रजिस्ट्रेशन किया हुआ है।

मतदान जागरूकता के लिए महाविद्यालय होंगे शामिल

प्रोफेसरों के साथ मनपा प्रशासन की बैठक संपन्न

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर अधिकतम मतदान सुनिश्चित करने के लिए मनपा अधिकारियों और शहर के विभिन्न कॉलेजों के प्रोफेसरों के बीच एक बैठक आयोजित की गई थी। विधानसभा चुनाव को लेकर सोमवार दोपहर उल्हासनगर मनपा के स्थायी समिति सभागृह में अतरिक्त आयुक्त किशोर गावस की अध्यक्षता में स्वीप कमेटी का गठन किया गया, जिसमें वेदांता समेत अन्य कॉलेजों के प्रोफेसरों को शामिल किया गया है। जनसंपर्क अधिकारी छाया डांगले ने बताया कि इस बैठक में अतरिक्त आयुक्त गवास ने सभी सदस्यों को चुनाव जागरूकता गतिविधियों को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने और मनपा क्षेत्र में मतदान प्रतिशत बढ़ाने में सहयोग की अपील की हैं।

लापता युवक की तलाश में परिवार, सूचना के लिए संपर्क करें

उत्तर प्रदेश के महाराजगंज जिले के निर्मानामपूर्वी हरदी डाली आनंद नगर का रहने वाला बहराइची गौतम नामक एक युवक पिछले कुछ दिनों से लापता है। ऐसा लोगों का कहना है कि शायद वह घरवालों को बिना बताए मुंबई चला गया है। अगर यह किसी को दिखता है तो लड़के के पिता बाली गौतम के मोबाइल क्रमांक

91 86011 29689 पर संपर्क कर जानकारी दें।

चुनावी प्रकिया निष्पक्षता से हो: केंद्रीय चुनाव निरीक्षक

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव का बिगुल बज गया है और आने वाले 20 नवंबर को मतदान होगा। ठाणे जिला की 134 भिवंडी (ग्रामीण), 135 शहापूर, 136 भिवंडी (पश्चिम), 137 भिवंडी (पूर्व), 138 कल्याण (पश्चिम), 139 मुरबाड, 140 अंबरनाथ, 141 उल्हासनगर, 142 कल्याण (पूर्व), 143 डोबिवली, 144 कल्याण (ग्रामीण), 145 मीरा-भाईंदर, 146 ओवला माजिवाडा, 147 कोपरी-पाचपखाडी, 148 ठाणे, 149 मुंब्रा-कलवा, 150 ऐरोली, 151 बेलापूर विधानसभा चुनाव क्षेत्र में शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव कराने के लिए केंद्रीय खर्च चुनाव निरीक्षक ने बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों को निर्देश दिया।

चुनावी निरीक्षक ने संबंधित अधिकारियों से पूछताछ की

जिलाधिकारी व मुख्य चुनाव अधिकारी अशोक शिनगारे के उपस्थिति में जिला नियोजन भवन के समिती सभागृह में चुनावी प्रक्रिया की जानकारी के लिए चुनावी निरीक्षक ने संबंधित अधिकारियों से पूछताछ किया। इस बैठक में जिलापरिषद के मुख्यकार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे, पुलिस अधीक्षक डॉ.डी.स्वामी,अतिरिक्त जिलाधिकारी विजयसिंह देशमुख, दीपक क्षीरसागर सभी विधानसभा चुनाव क्षेत्र के चुनाव खर्च नियंत्रण समिती के नोडल अधिकारी व विविध विभाग के अधिकारी, पुलीस अधिकारी आदि उपस्थित थे। इस बैठक में 134 - 138 विधानसभा चुनाव क्षेत्र के केंद्रीय खर्च निरीक्षक रविंदर सिंधू (आयआरएस), 144 - 147 विधानसभा चुनाव क्षेत्र के केंद्रीय खर्च निरीक्षक सुरेंद्र पाल सिंग (आयआरएस) (C&CP), 139 - 143 विधानसभा चुनाव क्षेत्र के केंद्रीय खर्च निरीक्षक आशिषकुमार पांडे, 148 - 151 विधानसभा चुनाव क्षेत्र के केंदीय खर्च निरीक्षक श्री.जी. मनिगंडास्वामी (आयआरएस) उपस्थित थे।विधानसभा चुनाव निष्पक्ष व शांतिपूर्ण तरीके से हो और भारत चुनाव आयोग के दिये गए मार्गदर्शन सूचना व आदर्श आचार संहिता का पालन के साथ होना चाहिये यह बात केंद्रीय चुनाव खर्च निरीक्षक ने बैठक में निर्देश दिया। साथ ही संवेदनशील मतदान केंद्रों पर विशेष ध्यान रखना आवश्यक है ताकि आचार संहिता का उलंघन नही हो। वीडियो रिकार्डिंग टीम के साथ ही संपूर्ण प्रक्रिया पर बारीकी से ध्यान रखें।पेड न्यूज के लिए अखबार,टीवी चैनल, सोशल मीडिया, आकाशवाणी केंद्र से प्रसारित होने वाले खबरों पर ध्यान रखना आवश्यक है।रेलवे,बैंक के माध्यम से कैश का आवागमन हो सकता है इसपर भी निगाह होना चाहिए ।उम्मीदवार के लिए 40 लाख तक की खर्च करने की सीमा निर्धारित की गई है।

10वीं बोर्ड के स्टूडेंट्स को अब नहीं रहेगी फेल होने की टेंशन

महाराष्ट्र सरकार ने लिया फैसला

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र बोर्ड की 10वीं की परीक्षा देने जा रहे स्टूडेंट्स के लिए एक जरूरी खबर हैं। अब क्लास 10 में पढ़ रहे स्टूडेंट्स बेफिक्र होकर अपनी बोर्ड परीक्षा की तैयारी करें, क्योंकि अब आपको फेल होने की चिंता नहीं सताएगी। दरअसल, महाराष्ट्र सरकार ने 10वीं के स्टूडेंट्स के हित में एक बड़ा फैसला लिया है, जिसके मुताबिक स्टूडेंट्स को अगली क्लास में प्रमोट किया जाएगी। राज्य सरकार की इस नई नीति के तहत साइंस और मैथ्स में फेल होने के बावजूद स्टूडेंट्स 11वीं में एडमिशन पा सकेंगे। महाराष्ट्र के स्कूल शिक्षा के लिए करिकुलम फ्रेमवर्क (SCF-SE) के तहत यह जानकारी साझा की गई है।

प्रमोट करने का फैसला

महाराष्ट्र सरकार की इस नई नीति के मुताबिक अगर 10वीं के छात्रों को साइंस और मैथ्स सब्जेक्टस में केवल 20- 20 नंबर भी मिलते हैं, तो वे उन्हें अगली क्लास यानी 11वीं में प्रमोट कर दिया जाएगा।

क्यों लिया गया यह फैसला?

इस फैसले को लेने के पीछे महाराष्ट्र का मुख्य मकसद है स्कूल ड्रॉपआउट रेट को कम करना। इसके साथ ही बच्चों के लिए शिक्षा प्रणाली को ज्यादा लचीला बनाना है। इससे स्टूडेंट्स को इन दो सब्जेक्ट में बेहतर नहीं कर पाने के बाद भी दूसरे विषयों के साथ आगे बढ़ने का मौका मिलेगा।

दो बजे **दोपहर** पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड

एक और आरोपी हुआ गिरफ्तार

- 12 अक्तूबर को मुंबई के बांद्रा इलाके में हुई थी वारदात
- बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में अब तक 11 लोग गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई पुलिस ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के सिलसिले में बुधवार को एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया। इसके साथ ही इस मामले में गिरफ्तार आरोपियों की संख्या 11 हो गई है। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अभी तक पता नहीं चला हत्या का मकसद

ांचकर्ताओं को अभी हत्या का मकसद पता नहीं चल पाया है। वे अलग-अलग पहलुओं से मामले की जांच कर रहे हैं, जिसमें सुपारी लेकर हत्या, कारोबारी प्रतिद्वंद्विता या मुंबई में झुग्गी पुनर्वास परियोजना को लेकर उन्हें मिली धमकियों से जुड़े पहलू शामिल हैं। मुंबई क्राइम ब्रांच ने अब तक दो शूटर, एक हथियार आपूर्तिकर्ता समेत 11 लोगों को गिरफ्तार किया है।, जबकि मुख्य शूटर शिवकुमार गौतम और दो साजिशकर्ता फरार हैं।

हरियाणा से गिरफ्तारी

पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान 29 वर्षीय अमित कुमार के रूप में हुई है। अन्य आरोपियों से पूछताछ के दौरान अपराध में उसकी भूमिका सामने आने के बाद उसे हरियाणा से गिरफ्तार कर लिया गया। बाबा सिद्दीकी की 12 अक्तूबर को मुंबई के बांद्रा इलाके में उनके बेटे व विधायक जीशान सिद्दीकी के कार्यालय के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

अनमोल बिश्नोई के संपर्क में थे शूटर

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में शामिल तीन संदिग्ध शूटर, एनसीपी नेता की हत्या को अंजाम देने से पहले स्नैपचैट के माध्यम से जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई के संपर्क में थे। हत्या करने वाले तीन संदिग्ध शूटरों ने सिद्दीकी की हत्या करने से पहले इंस्टेंट मैसेजिंग ऐप (स्नैपचैट) के माध्यम से अनमोल बिश्नोई से बात की थी। गिरफ्तार आरोपियों के स्नैपचैट की जांच की गई तो पता चला कि शूटर और पुणे के प्रवीण लोनकर, जो कथित तौर पर मास्टरमाइंड है, अनमोल बिश्नोई के सीधे संपर्क में थे और मैसेज मिलने के बाद उसे डिलीट कर देते थे।

कनाडा से संपर्क में था अनमोल

पुलिस ने बताया कि अनमोल कनाडा और अमेरिका से आरोपियों के संपर्क में था और आरोपियों के पास से चार मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। जबकि मुंबई पुलिस ने पुलिस सुरक्षा गार्ड श्याम सोनवाने को निलंबित कर दिया है जो घटना के समय महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री के साथ मौजूद था।

पांच वकीलों की होगी बॉम्बे हाई कोर्ट के जज के तौर पर नियुक्ति

- दो साल का रहेगा कार्यकाल

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

केंद्र ने बुधवार को पांच वकीलों को बॉम्बे हाई कोर्ट के जज के रूप में नियुक्ति को अधिसूचित किया। अधिसूचना के अनुसार, राष्ट्रपति भारतीय संविधान के अनुच्छेद 224 के खंड (1) द्वारा प्राप्त शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए निवेदिता प्रकाश मेहता, प्रफुल्ल सुरेंद्रकुमार खुबलकर, अश्विन दामोदर भोबे, रोहित वासुदेव जोशी अद्वैत महेंद्र सेठना को बॉम्बे हाई कोर्ट के अतिरिक्त जज नियुक्त किया। उनकी नियुक्ति दो साल के लिए की गई है। 24 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस बीआर गवई के नेतृत्व वाली कॉलेजियम ने निवेदिता प्रकाश मेहता, प्रफुल्ल सुरेंद्रकुमार खुबलकर, अश्विन दामोदर भोबे, रोहित वासुदेव जोशी अद्वैत महेंद्र सेठना के नाम की सिफारिश की थी। कॉलेजियम ने बताया कि बॉम्बे हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने इन वकीलों की नियुक्ति की सिफारिश की थी।

महाराष्ट्र और गोवा के राज्यपाल के विचारों की समीक्षा

कॉलेजियम ने इस प्रस्ताव पर के संबंध में मुख्यमंत्रियों और महाराष्ट्र और गोवा के राज्यपाल के विचारों की समीक्षा की। हाई कोर्ट में पदोन्नति के लिए उपरोक्त उम्मीदवारों की योग्यता का आकलन करने के उद्देश्य से कॉलेजियम ने रिकॉर्ड की जांच और मूल्यांकन किया।

कल्याणराव पाटिल ने थामा अजित पवार का हाथ

मुंबई/नासिक। आगामी विधानसभा चुनावों से पहले शिवसेना-ठाकरे गुट को बड़ा झटका लगा है। येवला के पूर्व विधायक कल्याणराव पाटिल ने ठाकरे गुट को छोड़कर अजित पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) का हाथ थाम लिया है। मुंबई में उन्होंने आज एनसीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजित पवार, प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे और एनसीपी कार्यकारी अध्यक्ष और एमएलसी पंकज भुजबल की उपस्थिति में पार्टी की सदस्यता ली।

पार्टी का जनाधार होगा मजबूत

माना जा रहा है कि कल्याणराव पाटिल के एनसीपी में शामिल होने से क्षेत्र में पार्टी का जनाधार और मजबूत होगा। येवला एनसीपी के वरिष्ठ नेता छगन भुजबल का गढ़ माना जाता है। महाराष्ट्र में महायुती के घटक दलों के अधिकृत उम्मीदवार और मंत्री छगन भुजबल आगामी गुरुवार 24 अक्टूबर को सुबह 10 बजे येवला में अपनी उम्मीदवारी का आवेदन दाखिल करेंगे। भुजबल ने पिछले 20 वर्षों से येवला लासलगांव विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व किया है।

‘अपने बच्चे को दूध नहीं पिलाएगी’

अबू आजमी को भारी पड़ सकती है बयानबाजी

निर्वाचन आयोग के पास पहुंचा मामला

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

भारतीय जनता पार्टी की पूर्व सांसद कृति सोमैया ने बुधवार को मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार को पत्र लिखकर अपने हालिया चुनावी अभियान के दौरान कथित भड़काऊ भाषण का इस्तेमाल करने के लिए समाजवादी पार्टी के महाराष्ट्र प्रमुख अबू आजमी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। भारतीय जनता पार्टी की पूर्व सांसद कृति सोमैया ने अपने पत्र में आरोप लगाया है कि आजमी मुस्लिम समुदाय से “धार्मिक आधार” पर वोट करने की अपील कर रहे थे और वह चुनाव से पहले मुस्लिम मतदाताओं के बीच कट्टरता का फायदा उठाने की कोशिश कर रहे थे।

क्या था आजमी का बयान?

उन्होंने आजमी द्वारा दिए गए भाषण का उल्लेख किया जिसमें सपा नेता अबू आजमी ने कहा था कि जब पार्टी के पास महाराष्ट्र में हमारे आठ विधायक होंगे, तो कोई भी मां मुसलमानों के खिलाफ अत्याचार करने के लिए “अपने बच्चे को दूध नहीं पिलाएगी”। अबू आजमी ने कहा,“वर्तमान में हमारे पास दो विधायक हैं। हमें कम से कम छह से आठ विधायकों की जरूरत है, और जिस दिन हमें आठ विधायक मिल जाएंगे, किसी की मां उसे दूध नहीं पिलाएगी ताकि वह मुसलमानों के खिलाफ अत्याचार कर सके। यह मेरा वादा है.. मैं अपनी जान दे सकता हूं इस समुदाय की रक्षा के लिए, लेकिन मैं किसी के सामने घुटने नहीं टेकूंगा। ”

केंद्रीय व्यय निरीक्षक अमन प्रीत का मालाबार हिल चुनाव कार्यालय का दौरा

मुंबई। केंद्रीय व्यय निरीक्षक अमन प्रीत ने विधानसभा आम चुनाव-2024 के लिए मुंबई शहर जिले के 185-मालबार हिल विधानसभा क्षेत्र के चुनाव केंद्रीय कार्यालय का दौरा किया और कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। इस अवसर पर मालाबार हिल निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव निर्णय अधिकारी बालासाहेब वाकचौरे ने कार्यों की जानकारी दी। केंद्रीय व्यय निरीक्षक अमन प्रीत ने नियंत्रण कक्ष का निरीक्षण किया और आदर्श आचार संहिता का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वे जल्द ही स्थैतिक निगरानी दल से मिलेंगे। इस समय सहायक चुनाव निर्णय अधिकारी अश्विन कुमार पोतदार, सहायक व्यय निरीक्षक संजय गोरे, श्याम दादास, केंद्रीय व्यय निरीक्षक अमन प्रीत के संपर्क अधिकारी और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

बीजेपी और अजित पवार गुट को बड़ा झटका

शरद पवार की एनसीपी में शामिल हुए लक्ष्मण ढोबले और उमेश पाटिल

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी के नेता और पूर्व मंत्री लक्ष्मण ढोबले बुधवार को पार्टी सांसद सुप्रिया सुले की उपस्थिति में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शरद पवार गुट में शामिल हो गए। सोलापुर जिले के पूर्व संरक्षक मंत्री धोबले भाजपा में शामिल होने से पहले अविभाजित राकांपा का हिस्सा थे। ढोबले का शरद पवार गुट में शामिल होना महायुति गठबंधन के लिए एक झटका है।

उमेश पाटिल भी एनसीपी में शामिल

इससे पहले एनसीपी, अजित पवार गुट के मुख्य प्रवक्ता उमेश पाटिल ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया और मुंबई के वाईबी चव्हाण केंद्र में शरद पवार से मुलाकात की।

क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक संपन्न

मुंबई। पश्चिम रेलवे की क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक 23 अक्टूबर को पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार मिश्र की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस अवसर पर पश्चिम रेलवे, प्रधान कार्यालय की ई-पत्रिका ‘ई-राजहंस’ के 57वें अंक का विमोचन महाप्रबंधक महोदय के कर-कमलों से किया गया। साथ ही सुप्रसिद्ध कवि सूरदास जी की जयंती भी मनाई गई। उनके जीवन के संक्षिप्त परिचय से सदस्यों को अवगत कराया गया और उनकी एक प्रसिद्ध रचना ‘भ्रमर गीत’ का गायन द्वारा प्रस्तुतिकरण किया गया।

राजभाषा बैठक की अध्यक्षता करते हुए पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक मिश्र ने कहा कि वेबसाइटों को अपडेट करने की प्रक्रिया शुरू की गई है, सभी विभाग अपने-अपने मदों को द्विभाषी में तैयार कर संबंधित को उपलब्ध कराएं। यह आवश्यक है कि साइटों पर सभी प्रकार की जानकारियां अंग्रेजी के साथ-साथ हिंदी में भी सरल और सहज भाषा में उपलब्ध करवाई जाए।

जोगेश्वरी विधानसभा क्षेत्र

तिरंगी मुकाबला बना रोमांचक

बाळा नर को मिला महाविकास आघाड़ी का टिकट

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

जोगेश्वरी विधानसभा क्षेत्र में महाविकास आघाड़ी की उलझन आखिरकार सुलझ गई है। शिवसेना (उद्धव बाळासाहेब ठाकरे गुट) और राष्ट्रवादी कांग्रेस के बीच चर्चा के बाद ठाकरे गुट के बाळा नर को जोगेश्वरी से उम्मीदवार घोषित किया गया है। इस फैसले के बाद महाविकास आघाड़ी की ताकत जोगेश्वरी में और मजबूत हो गई है, जिससे शिवसेना (शिंदे गुट) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के लिए एक बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है।

निष्ठावान और अनुभवी नेता

बाळा नर को शिवसेना का निष्ठावान और अनुभवी नेता माना जाता है। उनकी उम्मीदवारी की घोषणा होते ही कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया और जीत की उम्मीद जताई। जोगेश्वरी में शिवसेना (शिंदे गुट) और मनसे की पकड़ भी मजबूत है, जिससे इस चुनाव में तिरंगी मुकाबला देखने को मिलेगा। ठाकरे गुट को बाळा नर के रूप में एक दमदार चेहरा मिला है, लेकिन शिंदे गुट और मनसे भी अपनी ताकत दिखाने के लिए पूरी तैयारी में हैं। इस तिरंगे मुकाबले में बाळा नर को जीत हासिल करने के लिए शिंदे गुट और मनसे के प्रभाव का सामना करना पड़ेगा। महाविकास आघाड़ी के इस कदम से जोगेश्वरी की चुनावी फिजा और गर्म हो गई है, जिससे मतदाताओं में उत्सुकता और भी बढ़ गई है।

मध्य रेल

E-TENDER NOTICE NO. DRM/S&T/PA/WKS/2024/10 dated 22.10.2024

वरिष्ठ मंडल सिग्नल एंड टेलीकॉम अभियंता, पुणे ने निम्नलिखित कार्यों के लिए यानीकी पुणे विभाग के 11 स्थानको पर ‘‘गुड्स शेड के बुनियादी ढांचे का उन्नयन/आधुनिकीकरण ‘‘के काम के संबंध में एफओआईएस और अन्य दूरसंचार सुविधाओं के प्रावधान के लिए खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की हैं। इ-निविदा संख्या : सीआर-पीए-एसएनटी डब्ल्यूके एस-टी 2024-11, लागत: रु. 1,56,54,857.82, बोली सुरक्षा : रु. 2,28,300/-, पूर्णत्व का अवधी : 12 महिना। बोली जमा करने की तारीख और समय : दिनांक 07.11.2024 से दिनांक 21.11.2024 को 15.00 बजे तक। बंद होने की तारीख और समय: दिनांक 21.11.2024 को 15.00 बजे। खुलने की तारीख और समय:दिनांक 21.11.2024 को 15.30 के बाद। विवरण के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं।

SUN 29 अनाधिकृत रूप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है

मध्य रेल

मुंबई मंडल

ओएचई का परिवर्तन कार्य

कार्य का विवरण :- मध्य रेलवे के मुंबई मंडल में कल्याण-इगतपुरी सेक्शन में किमी. 68/1-2 पर आरओबी के निर्माण के संबंध में मौजूदा ओएचई में परिवर्तन।, **अनुमानित लागत** : रु. 10031745.50/-, **ईएमडी** : रु. 200200.00/-, **निविदा प्रपत्र का शुल्क** : रु. 0.00/-, **समापन अवधी** : 12 महिने, ई-निविदा जमा करने की अंतिम तिथी एवं अवधि दि. 20.11.2024 को 11:00 बजे है। ई-निविदा की विस्तृत जानकारी रेल की अधिकारीक वेबसाइट : https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदा की जानकारी वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (क.वि.) मध्य रेल, कल्याण के सुचना पट पर उपलब्ध है।

खुली ई-निविदा संख्या :

केवायएनएलडी-585-डब्लु743-कांट-डीईपी

दि. 19.10.2024

SUN 493 **मं.वि.इं. (क.वि.) मध्य रेल, कल्याण**

अनाधिकृत रूप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है

माहिम स्टेशन पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम सफलतापूर्वक इंस्टॉल

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

पश्चिम रेलवे द्वारा माहिम स्टेशन पर बेहतर रेल सेवाएं प्रदान करने के लिए 21 और 22 अक्टूबर, 2024 को रात्रि ब्लॉक के दौरान माहिम स्टेशन पर नॉन इंटरलॉकिंग सफलतापूर्वक पूर्ण की गई और वेस्ट्रेस मेक का इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग इंस्टॉल किया गया।

स्वचालित रूट सेटिंग और सिगनल प्रबंधन के साथ दक्षता में होगी वृद्धि

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग के इंस्टॉलेशन में 66 रूट, 32 सिगनल, 17 पॉइंट, 77 ट्रैक सर्किट की पैचिंग, ऑटो चेंजओवर सुविधा, फायर अलार्म सिस्टम, इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग के साथ टीएमएस कनेक्टिविटी, संकेतक, पीए, कंट्रोल फोन और दूरसंचार सुविधाएं पुराने रूट रिले इंटरलॉकिंग (RRI) से नई इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग बिल्डिंग में शिफ्ट की गईं। इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग मैनुअल त्रुटियों को समाप्त करके सुरक्षा को बढ़ाएगी। इसके फेल-सेफ ऑपरेशन, तेजी से निर्णय लेने में और स्वचालित रूट सेटिंग और सिगनल प्रबंधन के साथ दक्षता में वृद्धि होगी। विनीत ने आगे बताया कि इस कार्य से सिगनल फेलियर में कमी आएगी, रखरखाव में कमी आएगी और ट्रेन परिचालन में सुधार होगा। इस कार्य की सफलता यात्रियों के लिए बेहतर और सुरक्षित ट्रेन यात्रा अनुभव प्रदान करने में एक उल्लेखनीय उपलब्धि है।

'कवच' के क्रियान्वयन में उल्लेखनीय प्रगति

मुंबई। पश्चिम रेलवे स्वदेशी रूप से विकसित स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (ATP) तकनीक 'कवच' की स्थापना में लगातार आगे बढ़ रहा है, जो ट्रेन सुरक्षा और परिचालन दक्षता को काफी हद तक बढ़ाती है। अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन (RDSO) द्वारा विकसित, कवच को ट्रेन टकरावों को रोकने, खतरे में सिगनल पासिंग (SPAD) से बचने में लोको पायलटों की सहायता करने और निरंतर गति पर्यवेक्षण सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह प्रणाली CENELEC के EN50126, 50128, 50129 और 50159 (SIL-4) सहित अंतर्राष्ट्रीय मानकों का पालन करती है तथा 200 किमी प्रति घंटे तक की गति को समायोजित करने के लिए बनाई गई है।

महत्वपूर्ण सुरक्षा सुविधाएँ प्रदान करती है कवच

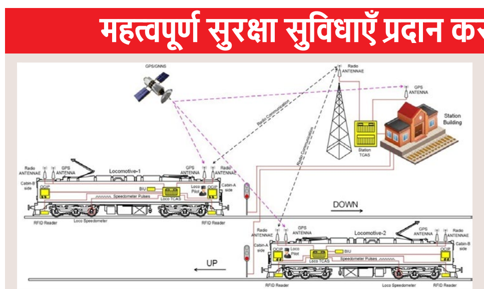

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कवच कई महत्वपूर्ण सुरक्षा सुविधाएँ प्रदान करती है। यह सुनिश्चित करती है कि ट्रेनें अनुमेय गति सीमा के भीतर चले और गति की रियल टाइम निगरानी प्रदान करती है, जिससे लोको पायलटों को नियंत्रण बनाए रखने में मदद मिलती है। यह प्रणाली लोको पायलट के कैब के भीतर सीधे सिगनल पहलुओं और निरंतर गति पर नियंत्रण को प्रदर्शित करके दुर्घटनाओं को रोकने में भी सहायता करती है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह ट्रेन की संभावित दुर्घटनाओं को रोकने में एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है, जिससे नेटवर्क पर समग्र सुरक्षा में सुधार होता है।

पश्चिम रेलवे पर 90 लोको के साथ 789 किलोमीटर पर कवच का काम जारी

विनीत ने बताया कि पश्चिम रेलवे पर 90 लोको के साथ 789 किलोमीटर पर कवच का काम चल रहा है। अब तक पश्चिम रेलवे ने महत्वपूर्ण प्रगति हासिल की है, कुल 789 किलोमीटर में से 470 किलोमीटर के लिए लोको परीक्षण सफलतापूर्वक किए गए हैं और 90 में से 60 लोकोमोटिव पहले ही कवच प्रणाली से लैस हो चुके हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए पश्चिम रेलवे नेटवर्क के 735 किलोमीटर से अधिक हिस्से में इसकी स्थापना और परीक्षण पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। विनीत ने आगे बताया कि वडोदरा-अहमदाबाद सेक्शन ऑटोमेटिक सिगनलिंग सेक्शन, जो 96 किलोमीटर तक फैला है, पर कवच सिस्टम के वर्जन 4.0 का उपयोग करके लोको ट्रायल सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है, और किसी भी शेष समस्याओं को हल करने के लिए आगे के परीक्षण चल रहे हैं। इसी तरह, विरार-सूरत-वडोदरा सेक्शन (ऑटोमेटिक सिगनलिंग सेक्शन) 336 किलोमीटर में, 201 किलोमीटर पर परीक्षण पूरा हो चुका है, और शेष हिस्से पर काम प्रगति पर है। वडोदरा-रतलाम-नागदा सेक्शन (गैर ऑटोमेटिक सिगनलिंग सेक्शन) 303 किलोमीटर में, 172 किलोमीटर पर लोको ट्रायल पूरा हो चुका है।

मध्य रेल

मुंबई मंडल

विभिन्न विद्युत कार्य

खुली ई-निविदा सूचना क्र. 37/2024

दिनांक 18.10.2024

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए प्रतिष्ठित ठेकेदारों से खुली ई-निविदा वेबसाइट www.ireps.gov.in के माध्यम से आमंत्रित की जाती है। **कार्य का विवरण** - (A) भायखला में स्टेशनरी डिपो बिल्डिंग और गोदाम की रिवायरिंग कार्य करने हेतु। (B) ठाकुर्ली (एसजी-2) के प्लेटफार्म 1/2 पर और ऊपरी कोपर (एसजी-3) के प्लेटफार्म 1 और 2 पर सीओपी में सुधार का विद्युतीकरण करने हेतु। (C) ठाणे (एनएसजी-1) के कवर न किए गए हिस्से पर सीओपी के प्रावधान और प्लेटफार्म 1, 2 और 3/4 पर सीओपी में सुधार का विद्युतीकरण करने हेतु। **(निविदा क्र. 37/2024 BB.LG.W.BY.2024.03.R)**, **कार्य की औसत लागत** - Rs. 28,59,709/-, **बोली प्रतिभूति** - Rs. 57,200/-, **वैधता** - 60 दिन, **समापन अवधि** - 04 माह (समापन), **अनुदेश**: 1. उपर्युक्त निविदा कि बंद होने कि तिथि एवं समय 18.11.2024 को 13:00 बजे और उसी दिन 13:00 बजे बाद खोली जाएगी। 2. निविदाकर्ता से अनुरोध है कि निविदा के सम्पूर्ण विवरण एवं शुद्धीपत्र, यदि कोई हो तो, की अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in को देखें। 3. निविदाकर्ता वेबसाइट www.ireps.gov.in के माध्यम से केवल ऑनलाइन निविदा में भाग ले सकते हैं एवं मेनुअल रुप से निविदा स्वीकार नहीं किया जायेगा। 4. आगे कि अधिक जानकारी के लिए वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य सेवा) मध्य रेलवे, ऐक्स भवन, प्रथम तल, छ.शि.म.ट. मुंबई - 400001 से संपर्क कर सकते है। 5. यह निविदा, सार्वजनिक खरीद नीति आदेश 2017 दिनांक 15.06.2017 का अनुपालन करती है।

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (सामान्य)

SUN 491

अनाधिकृत रूप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है

दो बजे दोपहर

संपादकीय

कुछ तो बर्फ पिघली

यह कोई महज संयोग नहीं कि भारत और चीन रूस में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की पूर्व संध्या पर पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी पर गश्त लगाने पर एक समझौते पर पहुंचे है। इस निर्णय के गहरे कूटनीतिक व सामरिक निहितार्थ हैं। कूटनीतिक हलकों में संभावना जतायी जा रही है कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन के साथ द्विपक्षीय बैठक कर सकते हैं। कहना गलत न होगा कि सीमा विवाद से जुड़े इस फैसले ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच सौहार्दपूर्ण बातचीत के लिये एक मंच तैयार कर दिया है। यह एक हकीकत है कि जून 2020 में हुए गलवान संघर्ष के बाद दोनों देशों के रिश्तों में एक बर्फ सी जम गई थी। यहां तक कि दोनों देश द्विपक्षीय बातचीत करने से भी परहेज कर रहे थे। बहरहाल, गलवान संघर्ष के चार साल बाद आखिरकार दोनों देशों के पास दुनिया को कुछ सकारात्मक दिखाने को तो है। वैसे भी इस गतिरोध के चलते एक बेहद जटिल भौगोलिक परिस्थितियों में दोनों देशों की सेनाओं को चौबीस घंटे तैयार रहने की स्थिति में नजर आना पड़ता था। इसके अलावा इस घटनाक्रम से यह संदेश भी दुनिया में जाएगा कि दोनों देश बातचीत के जरिये अपने मतभेदों को सुलझा सकते हैं। यह घटनाक्रम उस विश्वास को भी मजबूती देगा, जिसमें कहा जा रहा है कि मोदी और शी जिनपिंग यूक्रेन-रूस संघर्ष में मध्यस्थ की भूमिका निभा सकते हैं। वैसे यह उम्मीद करना जल्दबाजी ही होगी कि भारत-चीन सीमा पर जमीनी हालात जल्द ही सामान्य हो जाएंगे। भारत को भी गहरे तक इस बात का अहसास है कि बीजिंग को सीमा समझौतों की अवहेलना करने की आदत है। ऐसे में इस आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है कि हालिया फैसले का भी ऐसा ही कोई हश्र हो। ऐसे में भारत को फूंक-फूंक कर कदम रखने की जरूरत है। वहीं दूसरी ओर अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रम में तेजी से आ रहे बदलावों और महाशक्तियों के निरंकुश व्यवहार के चलते दुनिया फिर दो ध्रुवों में बंटती नजर आ रही है। यही वजह है कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन और शी जिनपिंग ब्रिक्स समूह को ताकतवर बनाने के प्रयासों में जुटे हुए हैं। इस संगठन में नये देशों को शामिल करने की कवायद लगातार जारी है। बहरहाल, चीन की हालिया सकारात्मक पहल के बावजूद भारत को सतर्क रहने की जरूरत है। अतीत में चीन भारतीय सीमाओं में अतिक्रमण की कोशिश करता रहा है। गलवान में चीनी सैनिकों द्वारा यथास्थिति में एकतरफा बदलाव से ही इस विवाद ने तूल पकड़ा। उसके बाद भारत ने सैन्य व राजनयिक वार्ताओं के जरिये इस विवाद को दूर करने का भरसक प्रयास किया। लेकिन इसके बावजूद डेपसांग और डेमचोक के टकराव वाले बिंदुओं से चीनी सैनिकों की वापसी नहीं की गई। अतीत में देश ने चीनी हठधर्मिता के कई मामले देखे भी हैं। एक ओर चीन बातचीत से समस्या के समाधान की दुहाई देता है तो दूसरी ओर एलएसी के निकट बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे का निर्माण करता रहा है। ऐसे में भारत को भी सतर्कता के चलते बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे का निर्माण करने को बाध्य होना पड़ा। भारत सरकार और रक्षा बलों को चाहिए कि एलएसी पर हर गतिविधि पर कड़ी नजर रखें। अतीत में भी हमने चीन पर भरोसा करने की कीमत चुकाई है। जिसके जख्म देश महसूस करता रहा है। वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार को भी चाहिए कि सीमा की वास्तविक स्थिति से देश को अवगत कराते रहें। विगत में विपक्षी राजनीतिक दल सीमा पर चीनी अतिक्रमण की वास्तविक स्थिति से देश को अवगत न कराने के आरोप राजग सरकार पर लगाते रहे हैं। वे सरकार के उस तर्क से सहमत नहीं थे कि न कोई हमारी सीमा के अंदर है और न ही हमारी किसी पोस्ट पर कब्जा किया गया है। निस्संदेह, चीनी सीमा की संवेदनशीलता को स्वीकारते हुए जन भावनाओं का सत्ताधीशों को ख्याल रखना चाहिए। बहरहाल, अधिक सतर्कता और पारदर्शिता से भारत को चीन को बात आगे बढ़ाने के लिये प्रेरित करने में मदद मिल सकती है।

शख्सियत | कैप्टन लक्ष्मी सहगल

एक वीर स्वतंत्रता सेनानी और समाज सेविका

कैप्टन लक्ष्मी सहगल एक अद्वितीय भारतीय स्वतंत्रता सेनानी और डॉक्टर थीं। उनका जन्म 24 अक्टूबर 1914 को चेन्नई में हुआ था। लक्ष्मी अपनी मजबूत इच्छाशक्ति और भारत की स्वतंत्रता के प्रति समर्पण के लिए जानी जाती हैं।

अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद, उन्होंने मद्रास मेडिकल कॉलेज से चिकित्सा की पढ़ाई की और उस समय भारत की कुछ महिला डॉक्टरों में से एक बनीं। उनका स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ाव तब हुआ जब वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से जुड़ीं, जो ब्रिटिश शासन से मुक्ति के लिए संघर्षरत थी।

1942 में, जब 'भारत छोड़ो आंदोलन' शुरू हुआ, तो लक्ष्मी ने सुभाष चंद्र बोस के नेतृत्व वाली 'आजाद हिंद फौज' (INA) में शामिल होने का फैसला किया। उन्हें रानी झांसी रेजिमेंट का कैप्टन नियुक्त किया गया, जो केवल महिलाओं की एक टुकड़ी थी। यह पहली बार था जब किसी महिला को आजाद हिंद फौज में इस तरह की जिम्मेदारी दी गई। लक्ष्मी ने महिलाओं को प्रशिक्षण देकर उन्हें स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उनके नेतृत्व में, रानी झांसी रेजिमेंट साहस और वीरता के लिए प्रसिद्ध हुई।

स्वतंत्रता संग्राम के अलावा, लक्ष्मी सहगल एक समर्पित समाज सेविका भी थीं। 1947 में भारत के स्वतंत्र होने के बाद, उन्होंने महिलाओं और बच्चों के जीवन को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न संगठनों के साथ काम किया। वे महिला आंदोलन से भी जुड़ी रहीं और जीवनभर महिलाओं के अधिकारों के लिए संघर्ष करती रहीं। अपने अंतिम वर्षों में भी, लक्ष्मी सहगल समाज के लिए काम करती रहीं। वे भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) की सदस्य थीं और गरीबों के अधिकारों के लिए सक्रिय रूप से काम करती रहीं।

कैप्टन लक्ष्मी सहगल को उनके योगदान के लिए कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। 23 जुलाई 2012 को उनका निधन हो गया, लेकिन उनकी विरासत आज भी जीवित है।

रसीले भोजन में जहरीले रसायन

दीपिका अरोड़ा

भारत में सदैव बाज़ार में बने खाने की अपेक्षा घर में तैयार भोजन को प्राथमिकता दी जाती रही है लेकिन व्यस्त जीवनशैली के चलते आजकल लोग पैक्ड फूड को प्राथमिकता देने लगे हैं। खासकर कामकाजी युवा पीढ़ी खाना बनाने को उबाऊ और समय खपाने वाली प्रक्रिया मानने लगी है। दरअसल विभिन्न एप्स पर एक क्लिक पर ऑनलाइन उपलब्ध पैक्ड फूड के विक्रेताओं ने इस प्रवृत्ति में और इजाफा किया है। वहीं डिब्बाबंद फ्रोजन फूड भी खूब खाया जा रहा है। लेकिन यह फास्ट फूड की कल्चर सेहतमंद गुणवत्ता वाले खाने से वंचित कर रही है। साथ ही विभिन्न अध्ययनों व शोधों में खाने की पैकेजिंग में मौजूद रसायनों के भोजन के संपर्क में आने के चलते होने वाली रासायनिक प्रक्रिया के खतरे भी सामने आने लगे हैं। यही कारण है कि घर की रसोई में पका अन्न प्रत्येक प्रकार से सर्वोत्तम माना गया। प्रमुख कारण रहा स्वच्छता व पौष्टिकता आदि की कसौटी पर इसका ख़रा उतरना।

दरअसल, निरंतर बढ़ती आवश्यकताओं ने हमारे जीने का ढंग ही बदलकर रख दिया है। ज़िंदगी की आपाधापी में अधिकतर लोगों के पास न तो भोजन बनाने का समय है, न ही रुचि व न ही खाने का सलीका। पाश्चात्य सभ्यता की पैक्ड फूड कल्चर काफी हद तक भारतीय समाज पर प्रभावी हो चुकी है, बिना यह जाने कि जिन धातुओं में विविध खाद्य सामग्री पैक होकर हम तक पहुंच रही है, स्वास्थ्य के लिहाज़ से वे शरीर के लिए कितनी घातक सिद्ध हो सकती हैं।

जर्नल ऑफ एक्सपोज़र साइंस एंड एनवायरमेंटल एपिडेमियोलॉजी में ज्यूरिख के फूड पैकेजिंग फोरम फाउंडेशन के अध्ययन के मुताबिक, फूड पैकेजिंग में उपयोग होने वाली सामग्री के ज़रिये मानव शरीर में 3,600 से अधिक रसायन प्रविष्ट होने की संभावना है। इनमें से कुछ केमिकल स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक हैं।

शोधकर्ताओं द्वारा लगभग 14,000 रसायनों की सूची बनाई गई, जोकि प्लास्टिक, धातु, काग़ज़ या कांच जैसी पैकेजिंग सामग्री के माध्यम से न केवल खाद्य पदार्थों में शामिल हो सकते हैं, बल्कि भोजन तैयार करने के दौरान रसोईघर के बर्तनों आदि के संपर्क में आने पर भी अपना प्रभाव छोड़ सकते हैं। इनकी उपस्थिति का पता लगाने हेतु शोधकर्ताओं ने अपने अध्ययन के दौरान मानव में रसायन ट्रैक करने वाले मौजूदा बायोमॉनिटरिंग डाटाबेस की जांच भी शामिल की। कुछेक केमिकल मिलने की संभावना से की गई इस जांच में कुल 3,601 रसायन मिले। भोजन के संपर्क में आने वाले सभी ज्ञात केमिकल्स का यह लगभग एक-चौथाई बनता है।

शोधकर्ता बिरगिट ग्यूके के अनुसार, इनमें से लगभग 100 रसायन मानव शरीर के लिए बेहद घातक हैं, जबकि अन्य अनेक रसायनों के दुष्प्रभावों के बारे विस्तार से जानना अभी शेष है। शोधकर्ताओं द्वारा दी गई चेतावनी के तहत ये केमिकल परस्पर क्रिया कर सकते हैं। ऐसे में खाद्य पदार्थों और पैकेजिंग के बीच मौजूद संपर्क को कम करने के साथ ही भोजन को पैकेजिंग सामग्री में गर्म न करने की सलाह दी गई है। अध्ययन के मुताबिक़, इनमें से 'पर-एंड पॉली-फलोरो अल्काइल सब्स्टेंसेज' (पीएफएएस) तथा 'बिस्फेनॉल ए' केमिकल मानव शरीर में पहले ही मौजूद पाए जा चुके हैं, जिन पर प्रतिबंध लगाए जाने की तैयारी चल रही है। प्लास्टिक में उपयोग होने वाला केमिकल 'बिस्फेनॉल ए' हार्मोन प्रभावित करने के लिए जाना जाता है। अतः पहले ही कई देशों में शिशुओं के लिए उपयोग होने वाली बोतलों के निर्माण में इसके प्रयोग पर पाबंदी लगाई जा चुकी है।

ये सभी रसायन हमारे भोजन तक किस प्रकार पहुंच बनाते हैं, अध्ययन में अभी यह बात स्पष्ट नहीं हो पाई; न ही यह साबित हो पाया कि ये सभी केमिकल्स सिर्फ फूड पैकेजिंग के माध्यम से ही भोजन में समाविष्ट हुए। हो सकता है अन्य संभावित स्रोतों की भी इस संदर्भ में कोई भूमिका हो!

हालांकि यह तो तय ही है कि शुद्धता व स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से 'पैक्ड फूड' किसी भी आधार पर घर पर तैयार भोजन की बराबरी नहीं कर सकता है। जीवन को सुविधाजनक बनाने की चाह में कहीं भी, जैसे-कैसे कुछ भी खा लेने की आदत बिल्कुल तार्किक नहीं। किसी भी कार्य को सुनियोजित ढंग से करने के लिए शरीर का सेहतमंद होना बेहद आवश्यक है किंतु ऐसा तभी संभव हो पाएगा, जब हमारा आहार शुद्ध, पौष्टिक एवं रसायन मुक्त हो। भोजन खाने का निर्धारित समय होने के साथ ग्रहण करने की मुद्रा व माहौल भी सही हो। मानव शरीर प्रकृति प्रदत्त वरदान है, जिसे स्वस्थ बनाए रखने का पूरा दायित्व हमारा ही है। जरूरत समय को लेकर बेहतर व्यवस्था एवं भोजन पकाने के प्रति रुचि उत्पन्न करने भर की है। घर की रसोई से प्रेमपूर्वक परोसा गया भोजन जो आत्मसंतुष्टि देता है, उसका अहसास आकर्षक पैकेजिंग में लिपटे रेडी टू ईट व्यंजनों में भला कहां?

'जैसा खाए अन्न, वैसा होय मन', विद्वान लोग हमेशा से यही कहते आए हैं। निरंतर बढ़त बनाते रोगों के साथ समाज में नैतिक स्तर पर वैचारिक प्रवाह को प्रदूषित बनाने में आंशिक ही सही, कुछ न कुछ हिस्सा तो इन पैकिंग मेटीरियल रसायनों का भी तो होगा। निरोगी तन-मन यकीनी बनाने के परिप्रेक्ष्य में मार्डन फूड कल्चर के इस हानिकारक पक्ष पर विचार करने की जरूरत है।

जीवन मंत्र

5 पॉजिटिव मंत्र जो बेस्ट लाइफ जीने में करेंगे आपकी मदद

माफ करना कोई आसान काम नहीं है। मन में नाराजगी रखने से हम शारीरिक और भावनात्मक रूप से कमजोर हो सकते हैं। ऐसे में शिकायतों को दूर करने से पॉजिटिविटी के लिए हमारा दिमाग में जगह खाली हो सकती है।

हर कोई चाहता है कि वह लाइफ में हमेशा खुश और संतुष्ट रहे। लेकिन कई बार हम यह भूल जाते हैं कि हमारे लिए क्या जरूरी है। ऐसे में कुछ पॉजिटिव जीवन मंत्र आप बेस्ट लाइफ के लिए अपना सकते हैं। यहां हम 5 ऐसे पॉजिटिव मंत्र के बारे में बता रहे हैं, जो बेस्ट लाइफ जीने में आपकी मदद करेंगे।

1) ग्रेटिट्यूड की प्रेक्टिस करें

जीवन में मौजूद चीजों को स्वीकार करें और उनकी सराहना करें। बेस्ट और पॉजिटिव लाइफ जीने के लिए ग्रेटिट्यूड का होना बहुत जरूरी है। ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिनके लिए हमें आभारी होना चाहिए। खासकर उन चीजों के लिए जो अभी हमारे पास हैं। जितना ज्यादा आप चीजों की सराहना करेंगे तो आप खुद में खुशहाल और संतुष्ट महसूस करेंगे।

2) माफ करने की प्रेक्टिस करें

माफ करना कोई आसान काम नहीं है। मन में नाराजगी रखने से हम शारीरिक और भावनात्मक रूप से कमजोर हो सकते हैं। ऐसे में शिकायतों को दूर करने से पॉजिटिविटी के लिए हमारा दिमाग में जगह खाली हो सकती है।

3) ऐसा काम करें जिनसे आपको खुशी मिले

पॉजिटिव लाइफ जीने का मतलब है ऐसी एक्टिविटीज करना जो हमें खुशी, संतुष्टि और उपलब्धि की भावना दें। वे लोग सबसे अच्छा जीवन जीते हैं जो उस काम को करते हैं जो उन्हें पसंद होता है। खुशी बेहतर जीवन जीने का मुख्य सार है। अगर आप खुश रहते हैं तो जीवन पूरी तरह तैयार और संपन्न हो जाता है।

4) अपने आप को पॉजिटिविटी से घेरें

हमें ऐसे लोगों के साथ समय बिताने की कोशिश करना चाहिए जो आपको अपलिफ्ट कर सकते हैं और मोटिवेट कर सकते हैं। पॉजिटिविटी के संपर्क में आने से अक्सर हमें अपने अंदर पॉजिटिवीटी बनाए रखने में मदद मिलती है।

5) सेल्फ केयर पर ध्यान दें

खुद की देखभाल को प्राथमिकता देने से शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक भलाई में मदद मिल सकती है। नियमित व्यायाम, संतुलित डायट लेना, पर्याप्त नींद लेना और आराम करने के लिए समय निकालना पॉजिटिव माइंड में मदद कर सकता है। जितना ज्यादा आप सेहत का ध्यान रखेंगे उतना ज्यादा आप खुद को पॉजिटिव और पूर्ण पाएंगे।

जीवन ऊर्जा | एंटोनी वैन ल्यूवेनहोक : जन्म -24 अक्टूबर 1632 | जन्म

ज्ञान की खोज अनवरत करें, यह प्रकाश की कुंजी है

एंटोनी वैन ल्यूवेनहोक एक डच वैज्ञानिक हैं, जिन्हें रसूक्ष्मजीव विज्ञान का जनकर माना जाता है। उन्होंने पहले आधुनिक माइक्रोस्कोप का विकास किया और सूक्ष्मजीवों का अध्ययन किया। उनकी खोजों ने जीव विज्ञान, चिकित्सा और सूक्ष्म जीव विज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिससे विज्ञान के क्षेत्र में नई दिशा मिली। एंटोनी वैन ल्यूवेनहोक का जन्म 24 अक्टूबर 1632 को हुआ था और उनका निधन 26 अगस्त 1723 को हुआ।

जिज्ञासा खोज की कुंजी है; कभी भी सवाल पूछना बंद न करें। आप जो देखते हैं, वह न केवल इस पर निर्भर करता है कि आप किस पर देखते हैं, बल्कि इस पर भी निर्भर करता है कि आप कैसे देखते हैं। महान खोजें अक्सर सबसे साधारण अवलोकनों से आती हैं। हर पानी की एक बूंद में एक ऐसा संसार है, जो खोजा जाने का इंतजार कर रहा है। सफलता मेहनत, धैर्य और दृढ़ता की नींव पर बनाई जाती है। अज्ञात को खोजने से मत डरिए; वहीं सबसे बड़ी सच्चाइयाँ छिपी होती हैं। हर चुनौती सीखने और बढ़ने का एक अवसर है। विज्ञान की सुंदरता यह है कि यह हमें अदृश्य देखने की अनुमति देता है। खोज के प्रति आपका जुनून आपको महानता की ओर ले जाए। गलतियाँ नवाचार के कदम हैं; उन्हें अपनाएँ। अवलोकन की शक्ति को कम न आँकें; यह समझ की ओर ले जाती है। जितना अधिक आप जानते हैं, उतना ही आप समझते हैं कि सीखने के लिए कितना अधिक है।जिज्ञासु रहें; यह सभी प्रगति का प्रेरक बल है। महान खोजें करने के लिए, पहले अज्ञात को खोजने की इच्छा होनी चाहिए। चुनौतियों के सामने दृढ़ता सत्य विज्ञानियों की पहचान है। हर बड़ी उपलब्धि एक विचार या सोच से शुरू होती है। विज्ञान केवल ज्ञान का एक समूह नहीं है; यह सोचने का एक तरीका है। आपकी कल्पना एक शक्तिशाली उपकरण है; इसे नई संभावनाओं को खोलने के लिए उपयोग करें।

ज्ञान की खोज अनवरत करें; यह प्रकाश की कुंजी है। ज्ञान की खोज में हर प्रयास महत्वपूर्ण है। आपकी विफलताएँ आपको सिखाएँ, न कि हतोत्साहित करें।सत्य की खोज एक यात्रा है, मंजिल नहीं। नवाचार करें, प्रयोग करें, और कभी भी विफलता से न डरें। ज्ञान एक खजाना है; इसे उत्साह और लगन से खोजें।Nअपने अवलोकनों की शक्ति में विश्वास करें; वे दुनिया को बदल सकते हैं।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

हिंदू धर्म और इसकी धार्मिक मान्यताएं

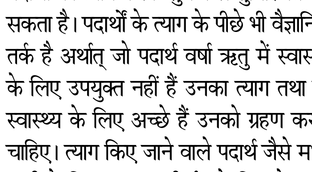

एक स्वस्थ जीवनशैली और प्राकृतिक संरक्षण का आह्वान करती है। जिन धार्मिक क्रियाओं को हमने उनके वैज्ञानिक पक्ष को समझें बिना, अंधविश्वास का नाम देकर त्याग दिया, पश्चिम देशों ने उनके वैज्ञानिक पक्ष को समझ, उनका अनुसरण आरंभ कर दिया। हिन्दू पंचांग में पड़ने वाले व्रत, त्योहार को ऋतुओं के अनुसार समायोजित किया गया है। ऋतुओं और व्रत, त्योहारों के बीच के इस सामंजस्य का एक मुख्य उद्देश्य मानव स्वास्थ्य तथा प्रकृति संरक्षण रहा है। आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को देवशयनी एकादशी कहा जाता है। कुछ जगहों पर इसे 'पद्मनाभा' भी कहते हैं। इसी दिन से चातुर्मास या चौमासा का आरंभ होता है। इस दिन से भगवान श्रीहरि विष्णु क्षीरसागर में शयन करते हैं और फिर लगभग चार माह बाद देवोत्थानी एकादशी पर उठते हैं। जिसे देवउठनी ग्यारस भी कहा जाता है। चातुर्मास में सभी शुभ-कार्य जैसे यज्ञोपवीत संस्कार, विवाह, गृहप्रवेश, गोदान, प्रतिष्ठा आदि प्रतिबंधित रहते हैं। पुराणों में इसे हरिशयन या योगनिद्रा कहा गया है। धार्मिक साहित्य के अनुसार हरि शब्द सूर्य, चन्द्रमा, वायु, विष्णु आदि अनेक अर्थों में प्रयुक्त हुआ है। वैज्ञानिक दृष्टि से इन चार

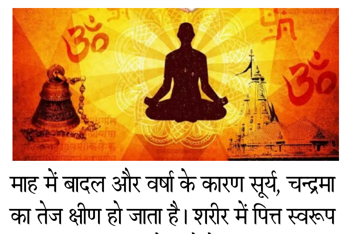

माह में बादल और वर्षा के कारण सूर्य, चन्द्रमा का तेज क्षीण हो जाता है। शरीर में पित्त स्वरूप अग्नि की गति शांत हो जाने के कारण शारीरिक शक्ति क्षीण या कम हो जाती है। वैज्ञानिकों की खोजें भी दिखाती है कि सूर्य की ऊर्जा के क्षीण होने तथा वर्षा ऋतु में नमी की मात्रा अधिक होने के कारण चातुर्मास्य में कई प्रकार के कीटाणु अर्थात् रोगजनित सूक्ष्मजीव उत्पन्न हो जाते हैं। अब चूंकि घरों में संपन्न होने वाला कोई भी शुभ कार्य बिना सामूहिक भोज के पूर्ण नहीं होता और चातुर्मास में जब रोगजनित सूक्ष्मजीवों की संख्या में वृद्धि हो रही होती है तो ऐसे में इस प्रकार के गरिष्ठ भोजन स्वास्थ्य को हानि पहुंचा सकते है। अतः इन चार माह में शुभ कार्यों को प्रतिबंधित माना गया है। पुराण के अनुसार यह भी कहा गया है कि भगवान हरि ने वामन रूप में दैत्य बलि के यज्ञ में तीन पग दान के रूप में मांगे। भगवान ने पहले पग में संपूर्ण पृथ्वी, आकाश और सभी दिशाओं को ढक लिया। अगले पग में सम्पूर्ण स्वर्ग लोक ले लिया। तीसरे पग में बलि ने अपने आप को समर्पित करते हुए सिर पर पग रखने को कहा। इस प्रकार के दान से भगवान ने प्रसन्न होकर बलि को पाताल लोक का अधिपति बना दिया और कहा वर मांगो। बलि ने वर मांगते हुए कहा कि भगवान आप मेरे महल में नित्य रहें। देवी लक्ष्मी जी ने बलि को अपना भाई मानते हुए, भगवान विष्णु से बलि को वर देने की प्रार्थना की। तब इसी दिन से भगवान विष्णु जी द्वारा वर का पालन करते हुए तीनों देवता 4-4 माह पाताल लोक में निवास करते हैं। विष्णु देवशयनी एकादशी से देवउठानी एकादशी तक, शिवजी महाशिवरात्रि तक और ब्रह्मा जी शिवरात्रि से देवशयनी एकादशी तक निवास करते हैं।

व्रत का महत्व

आषाढ़ एकादशी को सौभाग्य की एकादशी के नाम से भी जाना जाता है। पद्म पुराण के अनुसार इस दिन उपवास करने से अनजाने में किए गए पापों से मुक्ति मिलती है अर्थात् रोगों से मुक्ति मिलती है। शरीर उपवास द्वारा स्वस्थ रहता है। इस दिन पूरे मन और नियम से पूजा करने से महिलाओं को मोक्ष की प्राप्ति होती है। देवशयनी एकादशी का व्रत करने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। चातुर्मास में व्यक्ति अपनी रुचि अनुसार दैनिक व्यवहार के पदार्थों का त्याग करके शुभ फल सुनिश्चित कर सकता है। पदार्थों के त्याग के पीछे भी वैज्ञानिक तर्क है अर्थात् जो पदार्थ वर्षा ऋतु में स्वास्थ्य के लिए उपयुक्त नहीं हैं उनका त्याग तथा जो स्वास्थ्य के लिए अच्छे हैं उनको ग्रहण करना चाहिए। त्याग किए जाने वाले पदार्थ जैसे मधुर वाणी के लिए गुड़ का, दीर्घायु के लिए तेल का, सौभाग्य के लिए मीठे तेल का, स्वर्ग प्राप्ति के लिए पुष्पादि भोगों का, पलंग पर सोना त्यागना, झूठ बोलना, दही, चावल, मूली, बैगन आदि का त्याग कर देना चाहिए।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

प्रेरक प्रसंग

हवा और सूरज

एक बार हवा और सूर्य की बहस हो गयी। मैं तुमसे ज्यादा मजबूत हूं, हवा ने कहा। नहीं, तुम नहीं हो, सूर्य ने कहा। बस उसी समय, उन्होंने एक यात्री को सड़क पर चलते देखा। वह एक शॉल लपेटे हुए था। सूर्य और हवा इस बात पर सहमत हो गये कि जो भी यात्री को अपनी शॉल से अलग करेगा वह अधिक मजबूत होगा। हवा ने पहली बारी ली। उसने कंधों से यात्री के शॉल को फाड़ने के लिए अपनी सारी ताकत लगा दी। लेकिन जितनी तेजी हवा ने दिखाई, उतने ही जोर से यात्री ने शॉल को अपने शरीर में जकड़ लिया। सूर्य की बारी आने तक संघर्ष चलता रहा। अब सूर्य की बारी थी। सूर्य गर्म होकर मुस्कुराया। यात्री ने मुस्कुराते हुए सूर्य की गर्मी महसूस की। जल्द ही उसने शॉल को खुला छोड़ दिया। सूर्य गर्म और गर्म.....और गर्म हो गया। अब यात्री को अपने शॉल की जरूरत नहीं थी। उसने उसे उतारकर जमीन पर गिरा दिया। फिर सूर्य को हवा से अधिक मजबूत माना गया। क्रूर बल वह हासिल नहीं कर सकता जो एक कोमल मुस्कान कर सकती है।

बचत का महत्व

एक बार प्रसिद्ध लेखक जान मुरे अपने लिखने के कार्य में व्यस्त थे। तभी दो महिलाएं जन-कल्याण से संस्था के लिए उनसे चंदा मांगने आई। अपना लेखन कार्य बीच में छोड़ने के बाद जान मुरे ने वहां जल रही दो मोमबत्तियों में से एक को बुझा दिया। यह देखकर उनमें से एक महिला बुदबुदाई, यहां कुछ मिलने वाला नहीं है। जान मुरे को जब उन महिलाओं के आने के उद्देश्य का पता चला, तो उन्होंने खुशी-खुशी से 100 डॉलर उन्हें दे दिए। महिलाओं के आश्चर्य का ठिकाना न रहा, उनमें से एक बोली-हमें तो आपसे एक सेंट भी पाने की उम्मीद नहीं थी, क्योंकि आपने हमारे आते ही एक मोमबत्ती बुझा दी थी। जान मुरे ने उत्तर दिया, अपनी इसी बचत की आदत के कारण ही मैं आपको 100 डॉलर देने में समर्थ हुआ हूं। मेरे विचार से आपसे बातचीत करने के लिए एक मोमबत्ती का प्रकाश ही काफी है। महिलाएं बचत के महत्व को समझ चुकी थीं। महिलाएं तो बचत के महत्व को समझ गईं, लेकिन आप कब समझेंगे? जल्दी समझिए वरना देर हो जाएगी और फिर पछताने से कुछ नहीं होता जब चिड़िया खेत चुग जाती है।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

न्यूज़ ब्रीफ

साक्षी ने अपनी किताब बेचने के लिए ईमानदारी बेच दी : बबीता फोगाट

नई दिल्ली। साक्षी मलिक पर निशाना साधते हुए भाजपा नेता बबीता फोगाट ने आरोप लगाया कि उन्होंने अपनी किताब बेचने के लिए ईमानदारी बेच दी। साक्षी मलिक के इस दावे के जवाब में यह जवाबी बयान दिया गया है कि बबीता ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने के लिए सभी पहलवानों को इकट्ठा किया था, जिसका उद्देश्य अध्यक्ष पद पर कब्जा करना था। बबीता फोगाट ने एक्स पर लिखा, 'अपने चरित्र से चमको। उधार की रोशनी कब तक टिकेगी? किसी को विधानसभा सीटें मिल गईं, किसी को पद मिल गए बहन, और तुम्हें कुछ नहीं मिला, मैं तुम्हारा दर्द समझ सकती हूं। किताब बेचने के लिए उसने ईमानदारी बेच दी।

पीएसी के समक्ष आज पेश हो सकती हैं माधबी बुच

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) की प्रमुख माधबी पुरी बुच गुरुवार को संसद की लोक लेखा समिति (पीएसी) के समक्ष पेश हो सकती हैं। इस बैठक के हंगामेदार रहने के आसार हैं क्योंकि भारतीय जनता पार्टी के सदस्य निशिकांत दुबे पहले ही समिति के अध्यक्ष और कांग्रेस सांसद के सी वेणुगोपाल पर राजनीति से प्रेरित होकर कदम उठाने का आरोप लगा चुके हैं।

मेट्रो के आगे महिला कूदी, सेवाएं प्रभावित

कोलकाता। कोलकाता मेट्रो के चांदनी चौक स्टेशन पर बुधवार को एक महिला के चलती ट्रेन के आगे कूद जाने से उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर पर सेवाएं एक घंटे तक प्रभावित रहीं। एक अधिकारी ने बताया कि घायल महिला को ट्रेन के नीचे से निकालकर अस्पताल भेजा गया। अधिकारी ने बताया कि घटना के कारण उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर पर सेवाएं करीब एक घंटे तक प्रभावित रहीं।

नेपाल के बड़े होटलों में प्लास्टिक की बोतलों पर प्रतिबंध

काठमांडू। नेपाल सरकार ने देश के बड़े होटलों में प्लास्टिक की बोतलों के इस्तेमाल करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। अब इनके स्थान पर कांच और धातु की बोतलों का इस्तेमाल किया जाएगा। पर्यटन विभाग के महानिदेशक नारायण प्रसाद रेग्मी ने बुधवार को कहा कि यह प्रतिबंध सभी चार, पांच सितारा व डीलक्स, लक्जरी होटलों और रिजॉर्ट पर लागू होगा। संभावित स्वास्थ्य खतरों और पर्यावरण संबंधी चिंताओं को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया है। रेग्मी ने कहा, आने वाले दिनों में अन्य होटलों और रिजॉर्ट में भी यह नियम लागू किया जाएगा।

राजनीति में मेरे पास 35 साल का अनुभव : प्रियंका

- वायनाड से नामांकन दाखिल किया
- भाजपा उम्मीदवार पर निशाना साधा

एजेंसी | वायनाड

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने बुधवार को केरल के वायनाड लोकसभा सीट से पार्टी उम्मीदवार के तौर पर नामांकन दाखिल किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि उनके पास राजनीति में 35 साल का अनुभव है क्योंकि 1989 में वह अपने पिता राजीव गांधी के साथ 17 साल की उम्र में पहली बार चुनाव प्रचार अभियान में शामिल हुई थीं। वायनाड सीट से उपचुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने से पहले कलपेट्टा में एक सभा के दौरान प्रियंका ने अपने राजनीतिक अनुभव को लेकर कहा कि उन्होंने अपनी मां सोनिया गांधी, भाई राहुल गांधी और पार्टी के अन्य सहयोगियों के लिए प्रचार किया है। उनका यह बयान इसी सीट से भाजपा उम्मीदवार नाव्या हरिदास की उस टिप्पणी के एक दिन बाद आया है, जिसमें नाव्या ने कहा था कि वह लोगों का प्रतिनिधित्व करने में प्रियंका की तुलना में अधिक अनुभवी हैं। कांग्रेस महासचिव ने यह भी कहा कि वह वायनाड के लोगों का प्रतिनिधित्व करने के लिए उम्मीदवार बनाए जाने से स्वयं को सम्मानित महसूस कर रही हैं, क्योंकि वहां के लोग उनके भाई के साथ तब खड़े रहे, जब पूरी दुनिया ने उनसे मुंह मोड़ लिया था। केंद्र की भाजपा सरकार पर हमला करते हुए प्रियंका ने कहा कि मौजूदा समय में सत्ता में बैठे लोग उन लोगों को बांटने की कोशिश कर रहे हैं, जिन्होंने उन्हें सत्ता में लाने के लिए वोट दिया था।

पूरा कुनबा एक साथ

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, पति रॉबर्ट वाड्रा, बेटा रेहान राजीव समेत कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया, तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता प्रियंका के राजनीतिक जीवन के इस बेहद महत्वपूर्ण पल के साक्षी बने।

रोड शो में जोरदार स्वागत

नामांकन से पहले प्रियंका ने राहुल के साथ कलपेट्टा में एक रोड शो भी किया। इस दौरान रॉबर्ट वाड्रा और उनके बेटे को भी खुली छत वाली गाड़ी में प्रियंका के साथ देखा गया। इस दौरान हजारों यूडीएफ कार्यकर्ताओं और कांग्रेस समर्थकों ने प्रियंका का जोरदार स्वागत किया। वे सुबह से ही प्रियंका और राहुल की तस्वीरों वाली तख्तियां और ढोल की थाप के साथ इंतजार कर रहे थे। कांग्रेस और उसकी सहयोगी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के झंडों के रंगों के गुब्बारे भी लगभग दो किलोमीटर लंबे रोड शो के मार्ग के दोनों ओर लगे हुए थे। प्रियंका और राहुल ने पुथुमाला सामूहिक कब्रिस्तान का दौरा किया और वायनाड भूस्खलन में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि दी।

वायनाड से संसद में दो सांसद : राहुल

इस मौके पर राहुल गांधी ने कहा कि एक बार जब उनकी बहन जीत जाएंगी तो वायनाड के लोगों के पास संसद में प्रतिनिधित्व करने के लिए दो सांसद होंगे। उन्होंने कहा कि मैं वायनाड के लोगों का अनौपचारिक सांसद रहूंगा।

3.64 लाख मतों से जीते थे राहुल

वायनाड लोकसभा सीट पर उपचुनाव राहुल गांधी के यहां से इस्तीफे के बाद खाली हुई है। इस बार के लोकसभा चुनाव में राहुल ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाकपा की एनी राजा पर 3,64,422 मतों के अंतर से बड़ी जीत दर्ज की। इससे पहले 2019 के चुनाव में वह 4,31,770 वोटों के रिकॉर्ड अंतर से जीते थे।

बांग्लादेश में फिर शुरू हुए विरोध-प्रदर्शन, 30 घायल

ढाका। बांग्लादेश में एक बार फिर विरोध-प्रदर्शनों का दौर शुरू हो गया। मंगलवार देर रात सैकड़ों प्रदर्शनकारी राष्ट्रपति आवास के बाहर एकत्र हुए और परिसर में घुसने की कोशिश की। पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए बल प्रयोग किया। पुलिसकर्मियों समेत 30 लोग घायल हैं। दरअसल, बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शाहबुद्दीन ने एक बयान दिया था कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे के लिखित दस्तावेज नहीं हैं, उनका इस्तीफा गैर कानूनी प्रतीत होता है। इस बयान को लेकर हसीना सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले छात्र संगठनों में गुस्सा है। छात्र, राष्ट्रपति के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। देर रात सैकड़ों छात्र राष्ट्रपति आवास के बाहर एकत्र हुए और बैरियर तोड़ने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस ने स्टन ग्रेनेड दागे और हल्का बल प्रयोग किया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज और आंसू गैस का भी इस्तेमाल किया।

जम्मू-कश्मीर में दरबार मूव की बहाली में जुटी अब्दुल्ला सरकार

अगली कैबिनेट बैठक में फैसला संभव

जम्मू। उमर अब्दुल्ला की सरकार जम्मू-कश्मीर में 150 साल पुरानी दरबार मूव परंपरा को फिर से बहाल करने की तैयारी में है। जम्मू-कश्मीर मंत्रालय से जुड़े सूत्रों ने बताया कि अब्दुल्ला सरकार की अगली कैबिनेट मीटिंग में दरबार मूव परंपरा की बहाली पर फैसला हो सकता है। इसके दोबारा शुरू करने के पीछे तर्क है कि इस परंपरा के बंद होने से जम्मू में कारोबार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। जम्मू को दरबार मूव की जरूरत है। जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर और जम्मू के बीच राजधानी को ट्रांसफर स्थानांतरित करने से संबंधित 152 साल पुराने दरबार मूव को LG मनोज सिन्हा ने जून 2021 में समाप्त कर दिया गया था। दरबार मूव परंपरा को 1872 में जम्मू-कश्मीर के डोगरा राजवंश के महाराजा रणबीर सिंह ने शुरू किया था। गर्मी आने पर वे जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर शिफ्ट कर देते थे।

बारिश से 7 मंजिला इमारत ढही

7 की हुई मौतें

एजेंसी | बेंगलुरू

कर्नाटक में भारी बारिश के कारण बेंगलुरु में 22 अक्टूबर को एक अंडरकंस्ट्रक्शन इमारत ढह गई। बाबूसापाल्या इलाके में इमारत ढहने के बाद छह और शव बरामद किए गए हैं। इसके बाद हादसे में मरने वालों की संख्या सात हो गई है। मलबे में 21 लोग फंसे हुए थे, 22 अक्टूबर की रात एक मजदूर का शव मिला था। 13 मजदूर बचा लिए गए हैं और छह घायल हैं।

मालिक और ठेकेदार हिरासत में लिए गए

एक सीनियर पुलिस अधिकारी ने बताया- बिल्डिंग मालिक भवन रेड्डी और ठेकेदार मुनियप्पा को हिरासत में ले लिया गया है। अधिकारी ने बताया कि बिल्डिंग में सिर्फ चार मंजिलें बनाने की इजाजत थी लेकिन लेकिन सात मंजिलों बनाई जा रही थीं। NDRF की टीम ने मलबे में दबे लोगों को निकालने के लिए रातभर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। बुधवार सुबह डॉग स्क्वॉड की टीम को भी बुलाया गया। मलबा हटाने के लिए टीम ने बड़ी मशीनें भी मंगवाई हैं।

सियायत शुरू

कर्नाटक में इस मुद्दे पर सियायत शुरू हो गई है। विपक्षी दल JDS ने कांग्रेस पर बेंगलुरु की दुर्दशा करने का आरोप लगाया है। डिप्टी CM डीके शिवकुमार ने कहा आपने देखा होगा कि दुबई और दिल्ली में क्या हो रहा है। देश के कई हिस्सों में ऐसी ही स्थिति है। हम प्रकृति को रोक नहीं सकते, लेकिन हम मैनेज कर रहे हैं।

अठन्नी पड़ गई भारी

पोस्ट ऑफिस ने कस्टमर को नहीं दिए 50 पैसे, अब देने होंगे 15 हजार रुपए

एजेंसी | चेन्नई

भारतीय डाक सेवा को एक उपभोक्ता को पचास पैसे राउंड आफ (पूर्णांक) करना महंगा पड़ा। उसके बदले में उपभोक्ता फोरम ने उपभोक्ता को रिफंड लौटाने के साथ ही इस सरकारी विभाग पर 15 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। हर्जाने के तौर पर दस हजार रुपये मानसिक परेशानी, गलत व्यापारिक तरीकों और सेवा में कमी के चलते वसूले गए हैं।

कांचीपुरम जिले में एक उपभोक्ता फोरम ने डाक विभाग को पांच हजार रुपये बतौर अदालती कार्यवाही पर हुए खर्च के लिए देने को कहा है। शिकायतकर्ता ए.मनाशा के अनुसार, उसने 13 दिसंबर, 2023 को 30 रुपये नकद देकर पोझिचालुर पोस्ट ऑफिस से एक रजिस्टर्ड डाक भेजनी थी, लेकिन उसकी रसीद पर केवल 29.50 रुपये की रकम दिखा रही थी।

डाक विभाग ने सफाई में क्या कहा?

वहीं, डाक विभाग ने उपभोक्ता फोरम को बताया कि उस समय कुछ तकनीकी कारणों से डिजिटल भुगतान स्वीकार नहीं हो रहा था। इसलिए उनसे कैश लिया गया था। उन्होंने बताया कि पोस्टल साफ्टवेयर में स्वतः ही 50 पैसे राउंड आफ हो रहे थे, जबकि वह राशि काउंटर एकाउंट सबमिशन में अलग से दिखा रही थी, इसलिए उनकी शिकायत स्वीकार करने योग्य नहीं है।

शिकायतकर्ता ने क्या कहा?

लिहाजा, उसने वह पूरी रकम यूपीआई के जरिये देने की पेशकश की, लेकिन उसमें भी कुछ तकनीकी कारणों से डाक के भुगतान को डिक्लाइन दिखा रहा था। शिकायतकर्ता ने अपनी शिकायत में कहा कि प्रतिदिन लाखों लेन-देन होते हैं, अगर पूरी धनराशि लेकर भी कम दिखाई जाती रही तो सरकार को राजस्व का बहुत नुकसान होगा। उन्होंने इसे अवैध करार देते हुए इससे उन्हें गंभीर मानसिक परेशानी की बात कही।

डाकघरों में मिलेगी SIP की सेवा

उधर, डाक विभाग निवेशकर्ताओं के लिए खुशखबरी लेकर आया है। दरअसल, डाक विभाग एसआईपी (सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) की सुविधा भी देगा। डाक विभाग ने इसको लेकर ऐप व पोर्टल तैयार कर लिया है।

ग्राहकों के लिए एक और सेवा

डाक विभाग ने ग्राहकों को एक और सुविधा दी है। इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक (आईपीपीबी) और डा कघर में संचालित खातों का आपस में लिंकअप करके किसी भी समय बड़ी धनराशि का भुगतान कर सकेंगे।

पत्नी की सहमति के बिना उसके आभूषण गिरवी रखना विश्वासघात है: हाई कोर्ट

कोच्चि। एक व्यक्ति जिसने बेईमानी से अपनी पत्नी के सोने के आभूषणों का गबन किया तथा उन्हें गिरवी रखकर अपने उपयोग के लिए इस्तेमाल किया, वह आपराधिक विश्वासघात का दोषी है। ये बात केरल उच्च न्यायालय ने कही है। यह फैसला न्यायमूर्ति ए बदरुद्दीन की पीठ ने कासरगोड निवासी एक व्यक्ति द्वारा दायर पुनरीक्षण याचिका पर सुनाया, जिसमें उसने आपराधिक विश्वासघात के अपराध में छह महीने के साधारण कारावास की सजा सुनाए जाने के ट्रायल कोर्ट और सत्र न्यायालय के आदेश को चुनौती दी थी। यह मामला याचिकाकर्ता की पत्नी की शिकायत के बाद सामने आया है। महिला ने आरोप लगाया था कि उसके पति ने उसकी जानकारी या सहमति के बिना एक निजी वित्तीय संस्थान में उसके 50 सोने के गहने गिरवी रख दिए थे। उसने आगे दावा किया कि गहने उसकी माँ ने उनकी शादी के दौरान उपहार में दिए थे, इस शर्त के साथ कि उन्हें बैंक लॉकर में रखा जाएगा।

पंजाब में 25 अक्टूबर को राज्यव्यापी चक्का जाम करेंगे किसान

लुधियाना। संयुक्त किसान मोर्चा ने बुधवार को कथित धीमी धान खरीद और उठान के विरोध में 25 अक्टूबर को पंजाब में राज्यव्यापी चक्का जाम करने की घोषणा की।

इस आशय का निर्णय यहां एक बैठक में लिया गया। किसानों के समूह ने कहा कि यह सर्वसम्मति से राय है कि धान खरीद कार्यों में कोई सुधार नहीं हुआ है। केंद्र के तीन कृषि कानूनों के खिलाफ अपने आंदोलन से सुर्खियों में आए एसकेएम ने 19 अक्टूबर को कहा था कि अगर राज्य सरकार चार दिनों के भीतर धान की सुचारू खरीद सुनिश्चित करने में विफल रही, तो वे 'बड़ा फैसला लेंगे। एसकेएम नेता रमिंदर सिंह पटियाला ने कहा कि यह निर्णय लिया गया है कि शुक्रवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक राज्य भर में मंडियों के पास की सड़कों पर चक्का जाम किया जाएगा। पटियाला ने कहा, अगर समस्या का समाधान नहीं हुआ तो 29 अक्टूबर को सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक राज्य के सभी डिप्टी कमिश्नर कार्यालयों का घेराव किया जाएगा।

दोपहर एंकर इजरायल-ईरान के बीच तनातनी और रूस-यूक्रेन संघर्ष के लंबा खिंचने से आर्थिक मोर्चे पर नुकसान

युद्ध का दायरा बढ़ा तो भारत में आम आदमी पर होगा असर

एजेंसी | नई दिल्ली

मध्य-पूर्व में इजरायल-हमास के बीच युद्ध को एक साल बीत चुका है। इसमें लेबनान भी कूद पड़ा है और इजरायल-ईरान के बीच तनातनी का माहौल है। उधर, रूस-यूक्रेन युद्ध को दो साल पूरे हो चुके हैं। चिंता इस बात की है कि दुनिया के दो हिस्सों में चल रहा संघर्ष तीसरे विश्वयुद्ध में न बदल जाए। इन्हीं चिंताओं के बीच आर्थिक रूप से कई बड़े उलटफेर वैश्विक अर्थव्यवस्था में होते दिखाई दे रहे हैं। अगर यह आशंका सच होती है तो भारत पर भी इसका असर पड़ सकता है। यहां नौकरीपेशा से लेकर आम आदमी को इसकी कीमत चुकानी होगी। हालांकि, केंद्र सरकार इस संकट से निपटने के लिए कई स्तरों पर पुख्ता इंतजार करने में लगी है।

इन पर होगा असर

- पेट्रोल, डीजल, सीएनजी से लेकर घरों में इस्तेमाल होने वाली सिलेंडर एवं पीएनजी गैस की कीमतों में बढ़ोतरी होगी
- परिवहन लागत में भी बढ़ेगी, जिसका भार रोटी-कपड़े से लेकर मकान तक पड़ेगा
- विदेशों से आयात व निर्यात करना भी महंगा होगा।
- भारत दालें बड़ी मात्रा में आयात करता है, जो महंगा हो जाएगा।
- मोबाइल, इंजीनियरिंग गुड्स, फार्मा से लेकर कृषि से जुड़े उत्पादों का निर्यात भी महंगा होगा।
- इससे निर्यात क्षेत्र से जुड़े कारोबारियों से लेकर किसानों तक को नुकसान उठाना पड़ सकता है।

महंगाई में आएगा तेज उछाल

आम आदमी के लिहाज से देखा जाए तो युद्ध की स्थिति में महंगाई बढ़ेगी। मौजूदा वक्त में भारत अपनी जरूरत का करीब 80 फीसदी कच्चा तेल रूस और मध्य-पूर्व स्थित खाड़ी देशों से खरीदता है। अगर युद्ध हुआ तो कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आएगा। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्टर्स ऑर्गेनाइजेशन (फियो) के महानिदेशक एवं सीईओ डॉ. अजय सहाय कहते हैं कि अगर अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 10 डॉलर प्रति बैरल तक बढ़ती है तो इससे भारत में आधा फीसदी तक महंगाई बढ़ जाती है। ईरान द्वारा इजरायल पर रॉकेट दागे जाने के बाद अक्टूबर के पहले सप्ताह में कच्चे तेल की कीमतें 74 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से पार पहुंची थी, जो फिलहाल 70 डॉलर प्रति बैरल के आसपास हैं। इसलिए युद्ध की स्थिति में कई स्तर पर नुकसान होगा, जो महंगाई के रूप में भारत में निचले तबके तक दिखाई देगा। खाड़ी देशों में तनाव के बीच भारत को कुछ दिनों तक काफी नुकसान उठाना पड़ा।

आर्थिक मोर्चे पर संकट के संकेत

- डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत में गिरावट आ रही है। एक डॉलर की कीमत 84 रुपये के पार निकल गई है।
- प्रमुख ब्याज दरों में कटौती टल सकती है, आरबीआई ने छह बार से रेपो दर को 6.5 फीसदी पर बरकरार रखा है
- अक्टूबर के महीने में शेयर बाजार में भारी गिरावट देखी गई है। सेंसेक्स अपने सर्वोच्च शिखर से छह हजार अंक टूटकर दो माह के निचले स्तर पर आ चुका है।
- विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय बाजारों से लगातार पैसा निकल रहे हैं। अक्तूबर में ही 90 हजार करोड़ से अधिक रकम निकाल चुके हैं।
- कई बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजे उम्मीद के अनुरूप नहीं रहे हैं, जो एक वित्तीय संकट की तरफ इशारा करते हैं।
- निवेशक शेयर बाजार से पैसा निकालकर सुरक्षित जगहों पर लगा रहे हैं। यही कारण है कि सोना 81000 रुपये प्रति 10 ग्राम के पार निकल गया है। चांदी ने भी एक लाख का स्तर छू लिया है।

खबर संक्षेप

सोते बुजुर्ग के कान से तोड़ ले गए सोने की मुर्की

माधोराजपुरा। निकटवर्ती मस्ता गांव में बीती रात अज्ञात बदमाश घर के बाहर सो रहे एक बुजुर्ग के एक कान से सोने की मुर्की तोड़कर भागने में कामयाब हो गए। छीना-झपटी में बुजुर्ग घायल हो गया। सूचना पाकर माधोराजपुरा एसएचओ देवेन्द्र चावला रात को ही घटनास्थल पर पहुंच गए। मंगलवार को माधोराजपुरा सीओ रामधन सांडीवाल ने मौका-मुआयना किया। एमओबी टीम के साथ डॉग स्क्वायड से भी तलाशी में मदद ली गई। लेकिन बदमाशों का सुराग नहीं मिल पाया। जानकारी के मुताबिक बाबूलाल (70) पुत्र सलाहराम मीणा अपने घर के बाहर सो रहा था। देर रात करीब 1।30 उसे कान में दर्द का अहसास होने पर वह जागा तो दो बदमाश उसके कान से मुर्की तोड़ रहे थे। उसने धक्का-मुक्की भी की लेकिन अंधेरे का फायदा उठाकर बदमाश भागने में कामयाब हो गए। दूसरी ओर पुलिस तकनीकी संसाधनों से भी बदमाशों की तलाशी में जुटी है।

दिवाली से पहले 40 से अधिक व्यावसायिक प्रतिष्ठान सीज

अजमेर। दिवाली से पहले अजमेर विकास प्राधिकरण ने बुधवार को अवैध अतिक्रमण को लेकर बड़ी कार्रवाई की। भारी पुलिस जाब्ते की मौजूदगी में अजमेर विकास प्राधिकरण ने अवैध रूप से बनी 40 से अधिक दुकानों को सीज किया। अवैध अतिक्रमण के खिलाफ यह कार्रवाई अजमेर के सेवन वंडर्स के पास पर रीजनल कॉलेज के सामने चौपाटी पर की गई। इससे व्यापारियों में हड़कंप मच गया। अजमेर विकास प्राधिकरण के उपायुक्त भरत गुर्जर सुबह 6 बजे से आनासागर रीजनल कॉलेज चौपाटी पर पहुंचे। यहां बने अवैध अतिक्रमण पर कार्रवाई करते हुए रेस्टोरेंट, समारोह स्थल, शराब ठेका सहित 40 से अधिक व्यवसायिक प्रतिष्ठानों पर नोटिस चस्पा किया।

भजनलाल सरकार ने प्रमोशन के नियमों में किया संशोधन

जयपुर। राजस्थान सरकार ने परिनिंदा से दंडित कार्मिकों का प्रमोशन नहीं रोकने का फैसला लिया है। सरकार ने मंगलवार को नियमों में संशोधन कर कर्मचारियों को बड़ी राहत दी है। हालांकि नियमों में संशोधन होने के बाद भी कर्मचारियों की पूर्व में हुई पदोन्नति के मामलों को फिर से नहीं खोला जाएगा, लेकिन जिन पदों के लिए अभी तक पदोन्नति बैठकें नहीं हो पाई हैं उनमें नए नियमों के अनुसार डीपीसी होगी। कर्मचारियों के खराब आचरण के लिए कई प्रकार की सजा का प्रावधान था।

छठ पर शिक्षकों को मिलेगी 4 दिन की छुट्टी!

शिक्षा मंत्री बोले- नीतीश सरकार किसी के साथ गलत नहीं होने देगी

एजेंसी । पटना

बिहार में इन दिनों छठ पूजा की छुट्टी को लेकर घमासान मचा हुआ है। राज्य भर के शिक्षक जहां नीतीश सरकार से छठ पूजा के मौके पर 4 दिन की छुट्टी की मांग कर रहे हैं। वहीं, सरकार ने नहाय खाय और खरना के दिन भी स्कूल खोलने का आदेश दिया है। ऐसे में शिक्षकों का कहना है कि सरकार की तरफ से छुटियों में जो कमी की गई है वह पूरी तरह से गलत है। वहीं, अब इस पूरे विवाद में शिक्षा मंत्री ने बड़ा बयान दिया है और कहा है कि सूबे में नीतीश कुमार की सरकार है जो किसी के साथ गलत नहीं होने देगी। शिक्षा मंत्री के इस बयान के बाद शिक्षकों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

दीपावली में एक और छठ में दो दिन की छुट्टी

इस साल सरकार की तरफ से जिन छुट्टियों की घोषणा हुई है, उनमें कटौती की गई है। शिक्षकों को दीपावली में एक दिन तो छठ में दो दिन की छुट्टी दी गई है। वहीं, शिक्षकों का आरोप है कि हर साल दीपावली से लेकर छठ तक स्कूल बंद रहते हैं। छठ पूजा के पारण होने के बाद ही स्कूल खुलते हैं। मगर इस बार नहाय-खाय और खरना की छुट्टी नहीं दी गई है।

शिक्षक संघ की मांग पर विचार कर रही सरकार

बुधवार को पत्रकारों से बात करते हुए शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने कहा कि सूबे में नीतीश कुमार की सरकार है जो किसी के साथ गलत नहीं होने देगी। शिक्षक संघ की जो मांग है सरकार उस पर विचार कर रही है। एक दो दिनों के अंदर फैसला हो जाएगा। विभाग के पदाधिकारियों के साथ इस मुद्दे पर लगातार बात करे रहे है जो उचित होगा वह करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जितिया पर्व पर हमने छुट्टी दी थी, लेकिन उसके साथ सिलेबस को भी पूरा करना प्रायोरिटी है, तो शिक्षकों को इस पर भी सोचना चाहिए कि समय पर सिलेबस पूरा हो जाए।

छठ की छुट्टी को लेकर राजनीति तेज

बता दें कि सूबे में छठ की छुट्टी को लेकर राजनीति तेज हो गई है। जहां विपक्ष ने इस मुद्दे को लेकर सरकार को घेरना शुरू कर दिया है। वहीं, सत्ता पर काबिज भारतीय जनता पार्टी ने इसके लिए विपक्ष पर ही ठीकरा फोड़ा है। बीजेपी नेताओं ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि छुट्टियों का यह कैलेंडर महागठबंधन सरकार के दौरान ही बन गया था उस समय आरजेडी और कांग्रेस सत्ता में थी। इसलिए उन्हें इस मुद्दे पर बोलने का अधिकार ही नहीं है।

सीएम योगी ने किया दिवाली बोनस का ऐलान

दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को भी मिलेगी सौगात

एजेंसी । लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को यूपी के लाखों कर्मचारियों को दिवाली बोनस का ऐलान कर दिया। सीएम योगी ने दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को भी बोनस देने की घोषणा की है। दिवाली से पहले ही कर्मचारियों को इस बार सैलरी मिलने वाली है। इस बाबत आदेश पहले ही जारी हो चुका है। अब बोनस की घोषणा से कर्मचारियों की दिवाली शानदार होने का रास्ता साफ हो गया है।

सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर जानकारी साझा

मुख्यमंत्री आफिस की तरफ से इस बारे में सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर जानकारी साझा की गई है। इसके अनुसार सीएम योगी ने प्रदेश के सभी पूर्णकालिक अराजपत्रित राज्य कर्मचारियों, राज्य निधि से सहायता प्राप्त शिक्षण और प्राविधिक शिक्षण संस्थाओं, स्थानीय निकायों, जिला पंचायतों और राजकीय विभागों के कार्य प्रभारित अधिष्ठान के कर्मचारियों के साथ ही दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को भी 2023-2024 के लिए बोनस देने का फैसला किया है।

30 अक्टूबर को सैलरी देने का आदेश जारी

बताया जा रहा है कि सैलरी के साथ ही बोनस दिया जाएगा। इस बार 30 अक्टूबर को सैलरी देने का आदेश जारी किया जा चुका है। 31 को दिवाली है। ऐसे में अन्य कर्मचारियों के साथ ही दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों की भी इस बार दिवाली हैप्पी हो गई है। दिवाली बोनस के तौर पर यूपी सरकार अपने करीब 8 लाख कर्मचारियों को 6900 रुपए देती है। इस बार 7500 रुपए बोनस मिलेगा। पुरानी पेंशन योजना का लाभ पाने वाले कर्मचारियों को 1800 रुपए ही मिलेंगे। बाकी के रुपए उनके GPF खाते में जमा होंगे। वहीं नयी पेंशन स्कीम वाले कर्मचारियों को पूरा बोनस नगद मिलेगा।

होटल में थूक कर रोटी बना रहा था शख्स

वीडियो वायरल, गिरफ्तारी के साथ ढाबा सीज

एजेंसी । बाराबंकी

उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में थूक कर रोटी बनाने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। ढाबे पर ग्राहकों को आरोपी थूक लगी रोटी परोसता था। वीडियो वायरल होने पर एसपी दिनेश कुमार सिंह के निर्देश पर हरकत में आई पुलिस ने ढाबे को सीज कर कार्यवाही की है। ग़ाज़ियाबाद में पेशाब की रोटी के मामले के बाद बाराबंकी जिले के रामनगर क्षेत्र सुढ़ियामऊ कस्बे में 'हाफ़िज़ जी होटल' पर थूंक लगा कर रोटियां परोसा जा रहा था। सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोगों में आक्रोश फैल गया। तंदूर में थूक लगाकर रोटी सेंक रहा शख्स इरशाद का मंगलवार घिनौना वीडियो वायरल होने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने होटल को सीज किया। पुलिस ने तहरीर पर बुधवार आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किया है। एएसपी नाथ चिरंजीवी नाथ सिंहा ने बताया कि घटना का वीडियो वायरल होने पर संज्ञान लिया गया है। फूड सेफ्टी की तहरीर पर जीवन को खतरा पैदा करने वाली बीमारी फैलाने सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

भाजपा की उम्मीदवार सूची पर पेंच

- सपा-कांग्रेस के समीकरण से बदले हालात
- फूलपुर सीट पर समीकरण बदलने से रुकी सूची

एजेंसी । फूलपुर

उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा उपचुनाव के लिए भाजपा के उम्मीदवारों की सूची मंगलवार को जारी नहीं हो सकी। इसकी मुख्य वजह सपा और कांग्रेस के बीच फूलपुर सीट पर समीकरणों का बदलना बताया जा रहा है।

मुस्लिम प्रत्याशी के बदले कांग्रेस को दी जा सकती है सीट

सूत्रों के मुताबिक, सपा ने पहले फूलपुर सीट से मुस्लिम चेहरे के तौर पर मुस्तफा सिद्दकी को मैदान में उतारने की योजना बनाई थी, लेकिन अब यह सीट कांग्रेस को दिए जाने की चर्चा है। इसी कारण भाजपा ने अपनी सूची फिलहाल रोक दी है।

डिप्टी सीएम को बुलाया दिल्ली

फूलपुर सीट का प्रभार उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य पर है, इसलिए भाजपा नेतृत्व ने उन्हें और उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक को मंगलवार को दिल्ली बुलाकर समीकरणों पर चर्चा की।

संजय निषाद के कारण भी सूची रुकी

भाजपा की सहयोगी निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद भी दो सीटों की मांग को लेकर अड़े हुए हैं, जिससे सूची जारी करने में देरी हो रही है। माना जा रहा है कि बुधवार सुबह इस पर अंतिम फैसला लिया जाएगा।

तेज रफ्तार टेम्पो पलटने से चालक की मौत

अनियंत्रित टेम्पो पलटने से हुआ हादसा

एजेंसी । बाराबंकी

कुर्सी थाना क्षेत्र में मंगलवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। लखनऊ-महमूदाबाद मार्ग पर अनवरी अंडरपास के पास तेज रफ्तार विक्रम टेम्पो पलट गया, जिससे चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान हबीबपुर निवासी दिलीप कुमार (28) के रूप में हुई, जो टेम्पो चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। हादसा उस समय हुआ जब दिलीप अपने विक्रम टेम्पो (UP 32 GN 1185) से बेहटा बाजार से घर लौट रहा था।

मौके पर ही हो गई मौत

अनवरी अंडरपास से करीब 200 मीटर आगे, तेज रफ्तार के कारण टेम्पो अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे दिलीप टेम्पो के नीचे दब गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। राहगीरों ने तुरंत पुलिस को सूचित किया।

परिजनों को मिली सूचना, रो-रोकर बुरा हाल

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर टेम्पो के कागजातों से चालक की पहचान की और परिजनों को सूचना दी। घटना के बाद दिलीप के परिजन घटनास्थल पर पहुंचे, जहां उनका रो-रोकर बुरा हाल था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

लगातार तीसरे दिन लाल निशान में बंद हुआ शेयर बाजार, IT Stocks में बड़ी गिरावट

एजेंसी । मुंबई

भारतीय शेयर बाजार में बुधवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट देखने को मिली हैं। विदेशी निवेशकों (FPIs) की तरफ से जमकर शेयरों में बिकवाली, चीन की तरफ उनके झुकाव और मिडिल ईस्ट तनाव के बीच शेयर सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट नहीं थम सकी। BSE का बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स आज, 23 अक्टूबर को 138.74 अंकों यानी 0.17% की गिरावट के साथ 80,081.98 पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई का निफ्टी 50 इंडेक्स 36.60 अंकों यानी 0.15% की गिरावट के साथ 24,435.50 के स्तर पर क्लोज हुआ।

सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

बीएसई सेंसेक्स आज 138.74 अंकों की गिरावट के साथ 80,081.98 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 50 अंकों 36.60 अंकों यानी 0.15% की गिरावट के साथ 24,435.50 के स्तर पर क्लोज हुआ। पूरे दिन के कारोबार में बाजार ने उतार-चढ़ाव का सामना किया। बाजार की शुरुआत हल्की बढ़त के साथ हुई थी, लेकिन जैसे-जैसे दिन बढ़ता गया, निवेशकों पर दबाव बढ़ता गया।

बैंकिंग और आईटी सेक्टर में गिरावट

बैंकिंग सेक्टर में आज सबसे ज्यादा दबाव देखा गया। HDFC Bank, ICICI Bank, और Axis Bank जैसे प्रमुख बैंकों के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। HDFC Bank का शेयर 1.5% की गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि ICICI Bank और Axis Bank के शेयरों में क्रमशः 1.2% और 1% की गिरावट रही।

आईटी सेक्टर में भी दबाव रहा

आईटी सेक्टर भी दबाव में रहा, जहां Infosys, TCS, और Wipro के शेयरों में गिरावट देखने को मिली। Infosys का शेयर 1.3% गिरकर बंद हुआ, जबकि TCS और Wipro के शेयर क्रमशः 1% और 0.8% गिरे। वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेत और अमेरिकी बाजारों में कमजोरी के चलते आईटी सेक्टर में बिकवाली का दबाव बना रहा।

लाभ में रहने वाली कंपनियां

बाजार में कुछ कंपनियों ने अच्छा प्रदर्शन किया। टाटा स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा (M&M), और सन फार्मा के शेयरों में अच्छी बढ़त देखने को मिली। टाटा स्टील का शेयर 2% से ज्यादा बढ़कर बंद हुआ, जिसका मुख्य कारण मेटल सेक्टर में बढ़ती मांग और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में स्टील की कीमतों में बढ़ोतरी है। महिंद्रा एंड महिंद्रा का शेयर भी 1.8% की बढ़त के साथ बंद हुआ, जो ऑटो सेक्टर में मजबूत डिमांड और कंपनी की नई लॉन्चिंग्स के चलते संभव हुआ। फार्मा सेक्टर में सन फार्मा का शेयर 1.5% की बढ़त के साथ बंद हुआ। कंपनी के अच्छे तिमाही नतीजों और नए उत्पादों की मजबूत मांग के चलते इसमें निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ी।

आज नुकसान में रहने वाली कंपनियां

कुछ कंपनियों के शेयरों में आज गिरावट दर्ज की गई। ITC, HUL, और भारती एयरटेल के शेयरों में कमजोरी देखने को मिली। ITC का शेयर 2% की गिरावट के साथ बंद हुआ, जिसका मुख्य कारण कंपनी के तिमाही नतीजे अपेक्षा से कमजोर रहना बताया जा रहा है। FMCG सेक्टर की प्रमुख कंपनी HUL के शेयर में भी 1.5% की गिरावट आई, क्योंकि तिमाही नतीजे और मार्जिन में गिरावट ने निवेशकों को निराश किया। भारती एयरटेल का शेयर भी 1.3% की गिरावट के साथ बंद हुआ।

एनर्जी कंपनी पर संकट, शेयर बेचने की लगी होड़

नई दिल्ली। सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड के शेयर बुधवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर बुधवार को 4% तक गिरकर 66.12 रुपये इंट्रा डे लो पर आ गए थे। कंपनी के शेयर पिछले पांच दिन में 8% तक गिर गए। महीनेभर में यह शेयर 18% तक गिर गए। बता दें कि महीनेभर से कंपनी पर एक के बाद एक एक्शन लिए गए हैं। इसका असर इसके शेयरों पर भी पड़ा है। हाल ही में विंड एनर्जी कंपनी सुजलॉन एनर्जी को वॉर्निंग लेटर मिला था, ये वॉर्निंग लेटर देश की सबसे बड़ी एक्सचेंज एनएसई की ओर से मिला था। कंपनी ने बुधवार को स्टॉक एक्सचेंजों को बताया कि सीजीएसटी अधिनियम, 2017 की धारा 74 के तहत इनपुट टैक्स क्रेडिट के कम रिवर्सल के लिए अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क आयुक्त, हैदराबाद के कार्यालय द्वारा 4,158 का जुर्माना लगाया गया है।

दिवाली से पहले जोमैटो का झटका

कंपनी ने बढ़ाया सर्विस चार्ज, फूड मंगाना हुआ महंगा

एजेंसी । नई दिल्ली

ऑनलाइन फूड डिलीवरी कंपनी ने दिवाली से पहले अपने ग्राहकों को झटका जोड़ का झटका दिया है। अब जोमैटो से खाना मंगवाना पहले से महंगा हो गया है। कंपनी ने अपने कई चार्जेज में बढ़ोतरी की है, जिससे ग्राहकों की जेब पर अतिरिक्त भार पड़ने वाला है। खासकर उन ग्राहकों को, जो नियमित रूप से जोमैटो का इस्तेमाल करते हैं, उन्हें इस बदलाव का असर ज्यादा महसूस होगा। आइए जानें कि कंपनी ने क्या बदलाव किए हैं और यह कैसे आपके खाने के बिल को प्रभावित करेगा।

जोमैटो गोल्ड सब्सक्रिप्शन पर भी असर

जोमैटो के गोल्ड सब्सक्रिप्शन का लाभ उठाने वाले ग्राहकों के लिए भी यह खबर झटका देने वाली है। पहले जोमैटो गोल्ड के तहत ग्राहकों को कई तरह की सुविधाएं मिलती थीं, जिनमें मुफ्त डिलीवरी और डिस्काउंट शामिल थे। हालांकि, अब जोमैटो ने अपने गोल्ड सब्सक्रिप्शन के तहत मिलने वाली सुविधाओं को सीमित कर दिया है और कुछ शहरों में इसके शुल्क में भी वृद्धि की गई है।

डिलीवरी चार्ज में बढ़ोतरी

जोमैटो ने अपने डिलीवरी चार्जेज में बढ़ोतरी की है। जहां पहले कंपनी कुछ ऑर्डर्स पर फ्री डिलीवरी की सुविधा देती थी या बहुत ही कम चार्ज लेती थी, अब कई प्रमुख शहरों में डिलीवरी चार्ज बढ़ा दिए गए हैं। ग्राहकों को अब छोटे ऑर्डर्स के लिए भी अतिरिक्त डिलीवरी चार्ज देना होगा। यह बदलाव न केवल बड़े ऑर्डर्स पर बल्कि छोटे और सस्ते ऑर्डर्स पर भी लागू होगा। इससे ग्राहकों को ऑनलाइन फूड आर्डर पर ज्यादा खर्च उठाना पड़ेगा।

मिनिमम ऑर्डर वैल्यू में बदलाव

जोमैटो ने मिनिमम ऑर्डर वैल्यू में भी बदलाव किए हैं। पहले जहां ग्राहक एक छोटे ऑर्डर पर भी फ्री डिलीवरी या कम शुल्क का लाभ उठा सकते थे, अब मिनिमम ऑर्डर वैल्यू बढ़ा दी गई है। इसका मतलब है कि ग्राहकों को फ्री डिलीवरी के लिए या किसी विशेष ऑफर का फायदा उठाने के लिए एक फिक्स्ड अमाउंट से अधिक का ऑर्डर देना होगा।

त्योहार के समय पर उठाया गया कदम

जोमैटो ने दिवाली से ठीक पहले यह कदम उठाया हैं। आम तौर पर त्योहारों के दौरान कंपनियां ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए डिस्काउंट और ऑफर्स की पेशकश करती हैं, लेकिन जोमैटो का यह कदम उल्टा है। दिवाली के समय पर लोग अधिकतर ऑनलाइन ऑर्डर्स करते हैं, खासकर मिठाइयों और खाने के लिए, और इस बढ़ोतरी का सीधा असर उनकी खरीदारी पर पड़ सकता है।

अडानी ग्रुप ने दिया पावर कंपनी को ₹450 करोड़ का ऑर्डर

एजेंसी । नई दिल्ली

ज्योति स्ट्रक्चर्स के शेयर बुधवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर में बुधवार को 5% का अपर सर्किट लग गए और यह 31.90 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक ऑर्डर है। दरअसल, कंपनी को अडानी ग्रुप से एक बड़ा ऑर्डर मिला है। ज्योति स्ट्रक्चर्स ने शेयर बाजार को इसकी जानकारी दी है। कंपनी ने कहा कि उसे गुजरात में अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस से 450 करोड़ का ऑर्डर मिला है।

क्या है डिटेल?

पावर सेक्टर की प्रमुख ईपीसी प्लेयर ज्योति स्ट्रक्चर्स को मिले इस ऑर्डर के तहत सर्वेक्षण, मिट्टी की जांच, टावरों की आपूर्ति, नींव, कमीशनिंग, नवीनल, गुजरात में टर्नकी आधार पर 765 केवी डीसी भुज II-लकाडिया ट्रांसमिशन लाइन के एलआईएलओ की स्थापना और स्ट्रिंगिंग शामिल हैं। फाइलिंग में कहा गया है कि परियोजना अप्रैल 2026 तक पूरी होने की उम्मीद है। बता दें कि अगस्त में कंपनी को एक प्रमुख प्राइवेट डेवलपर से 765 केवी ट्रांसमिशन लाइन के लिए टावरों की सप्लाई के लिए 106 करोड़ का ऑर्डर मिला था। आदेश 10 महीने के भीतर पूरा किया जाना था।

न्यूजीलैंड के साथ दूसरा टेस्ट मैच आज से एमसीए स्टेडियम में शुरू

पुणे में पलटवार करने को तैयार टीम इंडिया

मेहमान टीम पहला मैच जीत सीरीज में 1-0 से आगे

- 63 टेस्ट अब तक दोनों टीमों ने आपसे में खेले

एजेंसी । पुणे

पहले मैच में अप्रत्याशित हार से बौखलाई टीम इंडिया गुरुवार से यहां शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड पर पलटवार करने को पूरी तरह से तैयार है। हालांकि इसके लिए तीन टेस्ट मैच की सीरीज में मेजबान को सही तरह से चयन करके संतुलित टीम मैदान पर उतारनी होगी। ऐसे में टीम का चयन करना आसान नहीं होगा। भारत बेंगलुरु में पहले टेस्ट मैच की पहली पारी में केवल 46 रन पर आउट हो गया था। उसने दूसरी पारी में अच्छा खेल दिखाया, इसके बावजूद उसे आठ विकेट से हार का सामना करना पड़ा। अगले महीने पांच टेस्ट मैच की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर जाने से पहले रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम की प्राथमिकता न्यूजीलैंड के खिलाफ अगले दो मैच में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

गिल वापसी से चयन का चक्कर

शुभमान गिल वापसी करने के लिए तैयार हैं। ऐसे में केएल राहुल और सरफराज खान में से किसी एक को उनके लिए जगह खाली करनी होगी। मुख्य कोच गौतम गंभीर राहुल को अधिक मौके दिए जाने के पक्ष में हैं लेकिन सरफराज ने बेंगलुरु में दूसरी पारी में 150 रन बनाकर अपना पक्ष मजबूत कर दिया है।भारत को सीनियर बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली से बड़ी पारी की उम्मीद होगी। कोहली ने 2019-20 के सत्र में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यहां 254 रन की नाबाद पारी खेली थी और वह उससे प्रेरणा लेकर बड़ी पारी खेलना चाहेंगे।

फॉर्म से जूझ रहे राहुल

टीम प्रबंधन भले ही राहुल का पक्ष ले रहा हो लेकिन यह बल्लेबाज पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिए जूझ रहा है। दूसरी तरफ सरफराज ने ईरानी कप में मुंबई की तरफ से नाबाद 222 रन बनाने के बाद बेंगलुरु में तमाम विपरीत परिस्थितियों के बावजूद 150 रन की शानदार पारी खेली थी। ऋषभ पंत ने मंगलवार को अभ्यास सत्र के दौरान कुछ समय के लिए विकेटकीपिंग की थी और यह देखना होगा कि वह दूसरे टेस्ट मैच के लिए पूरी तरह से फिट होते हैं या नहीं।

भारत में न्यूजीलैंड

- 37 मैच खेले
- 17 भारत जीता
- 03 न्यूजीलैंड जीता
- 17 मैच ड्रॉ रहे

सिराज या आकाशदीप

भारत की समस्या बल्लेबाजी तक ही सीमित नहीं है। उसकी गेंदबाजी में भी कुछ समस्या है। विशेषकर तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज का लगातार खराब प्रदर्शन चिंता का विषय बना हुआ है। ऐसे में टीम प्रबंधन आकाशदीप को मौका दे सकता है जिन्होंने मंगलवार को बल्लेबाजी का भी जमकर अभ्यास किया। पिच से अगर स्पिनरों को मदद मिलती है तो रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा इसका पूरा फायदा उठाना चाहेंगे। वाशिंगटन सुंदर को भी टीम में शामिल किया गया है। उन्हें अगर अंतिम एकादश में शामिल किया जाता है तो इससे भारत की बल्लेबाजी भी मजबूत होगी। जहां तक न्यूजीलैंड की बात है तो उसकी तरफ से पहले टेस्ट मैच में रचिन रविंद्र ने शतक जमाकर अंतर पैदा किया था लेकिन उसकी टीम अन्य बल्लेबाजों से भी उपयोगी योगदान की उम्मीद कर रही होगी।

चाड बोवेस का लिस्ट ए में सबसे तेज दोहरा शतक

एजेंसी । वेलिंगटन

न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज चाड बोवेस ने लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज दोहरा शतक बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम दर्ज करा लिया है। उन्होंने बुधवार को मात्र 103 गेंद पर यह उपलब्धि हासिल की। दक्षिण अफ्रीका में जन्मे न्यूजीलैंड के बल्लेबाज बोवेस फोर्ड ट्रॉफी में कैंटरबरी की तरफ से ओटागो के खिलाफ खेलते हुए 110 गेंद पर 205 रन बनाकर आउट हुए जो लिस्ट ए क्रिकेट में उनका सर्वोच्च स्कोर भी है। इसकी मदद से कैंटरबरी (50 ओवर, 9 पर 343 रन) ने ओटागो (24.5 ओवर में 103) को 240 रन से हरा दिया।

पहला वनडे: महिला टीम के सामने न्यूजीलैंड की चुनौती

- 54 मैच दोनों टीमों ने अब तक आपस में खेले
- 20 भारत ने जीते, 33 हारे, एक मैच टाई हुआ

एजेंसी । अहमदाबाद

भारतीय महिला टीम टी-20 विश्व कप के निराशाजनक प्रदर्शन को भुलाकर गुरुवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला वनडे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच खेलने उतरेगी। तीन मैचों की इस सीरीज से मेजबान टीम अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप की तैयारी भी शुरू करेगी जिसमें हरमनप्रीत कौर की कप्तानी भी दांव पर लगी होगी। दूसरी ओर न्यूजीलैंड की टीम अपना विजय अभियान जारी रखना चाहेगी। कीवी टीम ने पूरे टी-20 विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करके खिताब जीता था।

कप्तानी की काफी आलोचना

हरमनप्रीत के लिए यह सीरीज काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि हाल में संयुक्त अरब अमीरात में टी-20 विश्व कप में उनकी कप्तानी की काफी आलोचना हुई थी, भले ही उन्होंने भारत की तरफ से सर्वाधिक रन बनाए थे। भारत इस टूर्नामेंट में ग्रुप चरण से बाहर हो गया था। आलोचना के बावजूद 35 वर्षीय हरमनप्रीत को पद पर बरकरार रखा गया है। अब वनडे सीरीज में भारत को विकेटकीपर बल्लेबाज रिचा घोष की सेवाएं नहीं मिलेंगी जो 12वीं की परीक्षा देने के कारण इस सीरीज में नहीं खेल पाएंगी।

मुंबई के मैदानों से

विष्णु वर्धन की जीत

दोपहर संवाददाता । मुंबई

प्रथम वरीयता हासिल विष्णु वर्धन ने बांद्रा जिमखाना पर खेले जा रहे 2.5 लाख ईनामी राशि वाली जे एस परेरा मेमोरिअल एआईटीए टेनिस प्रतियोगिता के पहले चक्र में संदेश कुराले को 6-2, 7-5 से पराजित करके जीत के साथ शुरुआत की। पहले चक्र के अन्य मैचों में अज़मीर शेख ने धीरज कोडांचा को 7-6 (9), 5-7, 6-4 से, रिदम मल्होत्रा ने सुहित रेड्डी को 3-6, 6-4, 6-4 से और सैम्युल राशेन ने जतिन नैन को 6-1, 6-0 से हराया।

शिवांश और अनाही अव्वल

दोपहर संवाददाता । मुंबई

क्षत्रपति शिवाजी महाराज खेल संकुल के शिवांश आथल्ये और वडाला तैराकी पूल की अनाही जैन ने स्वंय के नाम तीन-तीन स्वर्ण पदक करते हुए खार जिमखाना पर संपन्न हुई अंडर-9 जीएमएएए वार्षिक कमतर आयु वाले ग्रुप तैराकी स्पर्धा में क्रमशः लड़कों और लड़कियों के वर्ग में अव्वल स्थान हासिल किया। शिवांश ने जहां एक ओर 50 मीटर बैक स्ट्रोक में 00:48.59 सेकंड, 50 मीटर फ्री स्टॉयल में 00: 35.38 सेकंड और 100 मीटर व्यक्तिगत मेडले में 01:31.20 समय के साथ तथा अनाही ने 50 मीटर बैक स्ट्रोक में 00:43.30 सेकंड, 50 मीटर बटरफ्लाई में 00: 49.40 सेकंड और 100 मीटर मेडले वर्ग में 015.92 समय के साथ सभी को पछाड़ा। इन दोनों के अलावा ओट्टर्स क्लब के कियान कपले ने भी दो वर्गों में पहला स्थान प्राप्त किया और उल्लेखनीय छाप छोड़ी।

कोच गंभीर ने राहुल का बचाव किया

एजेंसी । पुणे

भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने खराब फॉर्म से जूझ रहे केएल राहुल का बचाव करते हुए कहा कि टीम प्रबंधन की राय मायने रखती है, सोशल मीडिया पर हो रही आलोचना नहीं। राहुल न्यूजीलैंड के खिलाफ बेंगलुरु टेस्ट की पहली पारी में खाता भी नहीं खोल सके थे और दूसरी पारी में 12 रन बनाए थे। गंभीर ने दूसरे टेस्ट से पहले पत्रकारों से कहा, मायने यह रखता है कि टीम प्रबंधन और नेतृत्व क्या सोचता है। वह अच्छी बल्लेबाजी कर रहा है और कानपुर में (बांग्लादेश के खिलाफ कठिन विकेट पर) अच्छी पारी खेली थीं। मुझे यकीन है कि उसे पता है कि उसे बड़ी पारी खेलनी है और वह खेल सकता है। यही वजह है कि टीम उसके साथ है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सभी पर टीका टिप्पणी की जाती है।

स्पिनरों का बेहतर इस्तेमाल करना होगा : लैथम

एजेंसी । पुणे

न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम ने बुधवार को कहा कि दूसरे टेस्ट में स्पिन-अनुकूल पिच को लेकर न्यूजीलैंड को किसी भी पूर्व निर्धारित सोच से बचते हुए अपने गेंदबाजी विकल्पों का प्रभावी उपयोग करने पर ध्यान देना होगा। लैथम ने यहां दूसरे टेस्ट की पूर्वसंध्या पर कहा, हमें परिस्थितियों से जल्दी सामंजस्य बैठाना होगा। अगर पिच से गेंद को अधिक टर्न मिलती है तो हमारी टीम में चार स्पिनर हैं। न्यूजीलैंड के पास ईश सोढी, मिचेल सेंटनर और एजाज पटेल जैसे अनुभवी स्पिनर हैं तो वही रचिन रवींद्र और ग्लेन फिलिप्स के पास भी कामचलाऊ स्पिन गेंदबाजी करने की क्षमता है। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने विचार किया है कि स्पिनरों का उपयोग कैसे किया जाए। उन्होंने कहा, हम पहले थोड़ी जानकारी हासिल करने की कोशिश करेंगे। उम्मीद है कि पिच वैसी होगी जैसा कि हमारे अभ्यास वाली पिचें हैं।

'द ग्रेट इंडियन कपिल शो 2' में आएंगी कृति सैनन-काजोल

अभिनेता और कॉमेडियन कपिल शर्मा के कॉमेडी शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के दूसरे सीजन को भी दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। इस सीजन के अब तक 5 एपिसोड प्रसारित हो चुके हैं, जिन्हें आप OTT प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं। अब 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' का नया प्रोमो वीडियो सामने आ गया है। शो के छठे एपिसोड में आगामी फिल्म 'दो पत्ती' की स्टार कास्ट पहुंचे वाली है।

कहां और कब देख पाएंगे ये एपिसोड?

'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के आगामी एपिसोड में कृति सैनन और काजोल नजर आएंगी। इस दौरान निर्देशक कनिका ढिल्लों और अभिनेत्री शाहीर शेख भी उनका साथ देंगे। इस एपिसोड को आप 26 अक्टूबर को रात 8 बजे नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं।

तमन्ना भाटिया की नई फिल्म 'सिकंदर का मुकद्दर' का ऐलान

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने अपनी नई फिल्म का ऐलान कर दिया है, जिसका नाम 'सिकंदर का मुकद्दर' है। इस फिल्म में उनके साथ जिमी शेरगिल भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। अविनाश तिवारी भी इस फिल्म का अहस हिस्सा हैं। अजय देवगन और तब्बू की फिल्म 'औरों में कहां दम था' का निर्देशन कर चुके नीरज पांडे ने 'सिकंदर का मुकद्दर' के निर्देशन की कमान संभाली है। 'सिकंदर का मुकद्दर' सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि OTT प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। फिलहाल फिल्म की रिलीज तारीख सामने नहीं आई है। निर्माताओं ने 'सिकंदर का मुकद्दर' का पहला वीडियो साझा किया है, जिसमें तमन्ना, जिमी और अविनाश की तिकड़ी कमाल दिख रही है। नेटफ्लिक्स इंडिया ने वीडियो साझा करते हुए लिखा, '60 करोड़ की हीरे चोरी, एक लंबी तलाश और एक इंस्पेक्टर जो नहीं मानेगा हार।

शूजित सरकार और अभिषेक बच्चन ने फिर मिलाया हाथ

पिछले काफी समय से यह खबर आ रही थी कि अभिनेता अभिषेक बच्चन और निर्देशक शूजित सरकार एक बार फिर साथ आ रहे हैं। अब इस खबर का आधिकारिक ऐलान हो गया है। दरअसल, अभिषेक और शूजित ने अपनी आगामी फिल्म का ऐलान कर दिया है, जिसका नाम 'आई वांट टू टॉक' रखा गया है। 'आई वांट टू टॉक' की रिलीज तारीख से भी पर्दा उठ गया है। फिल्म का टीजर भी सामने आ चुका है।

22 नवंबर, 2024 को रिलीज होगी फिल्म

'आई वांट टू टॉक' 22 नवंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अभिषेक ने टीजर साझा करते हुए लिखा, 'हम सभी एक ऐसे व्यक्ति को जानते हैं जो बात करने के लिए जीता है। हम एक ऐसे व्यक्ति की कहानी पेश करने जा रहे हैं, जो हमेशा जीवन के उज्जवल पक्ष को देखता है।' शूजित सरकार इस फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं, जो 'विक्की डोनर', 'पीकू', 'मद्रास कैफे', 'अक्टूबर' और 'सरदार उधम' जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं।

'बेबी जॉन' को हरी झंडी

पिछले कुछ दिनों से वरुण धवन अपनी आगामी फिल्म 'बेबी जॉन' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म इस साल की बहुचर्चित फिल्मों में से एक है। इस फिल्म के निर्देशन की कमान एटली ने संभाली है, जिन्होंने बीते साल शाहरुख खान के साथ फिल्म 'जवान' जैसी सुपरहिट फिल्म दी थी। ताजा खबर है कि सेंसर बोर्ड ने 'बेबी जॉन' को 'U/A' सर्टिफिकेट देकर हरी झंडी दिखाई है। इसका मतलब इस फिल्म को हर उम्र के लोग देख सकते हैं।

1 नवंबर को रिलीज होगा फिल्म का टीजर

एक रिपोर्ट के मुताबिक, 'बेबी जॉन' का टीजर दीवाली के खास मौके पर यानी 1 नवंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। इस दिन कार्तिक आर्यन-तृप्ति डिमरी की फिल्म 'भूल भुलैया 3' और अजय देवगन-रोहित शेट्टी की फिल्म 'सिंघम अगेन' भी सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिलहाल इस खबर की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। बता दें कि 'बेबी जॉन' को 25 दिसंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। 'बेबी जॉन' में वरुण की जोड़ी अभिनेत्री वामिका गब्बी के साथ बनी है, जिसे पहली बार देखा जाएगा। दक्षिण भारतीय सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री कीर्ति सुरेश भी इस फिल्म में अहम भूमिका में नजर आएंगी। यह एटली और वरुण के बीच पहला सहयोग होने वाला है, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

'राजा साब' से प्रभास की नई झलक

दक्षिण भारतीय सिनेमा के जाने-माने अभिनेता प्रभास आज यानी 23 अक्टूबर को अपना 45वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस खास मौके पर उनके प्रशंसकों को बड़ा तोहफा मिला है। दरअसल, प्रभास के जन्मदिन पर फिल्म 'राजा साब' से उनकी नई झलक सामने आ चुकी है, जिसमें उनका धांसू अवतार दिख रहा है। इसके साथ फिल्म का मोशन पोस्टर भी सामने आ गया है।

इन भाषाओं में रिलीज होगी फिल्म

'द राजा साहब' एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है, जिसमें कमाल के विजुअल देखने को मिलेंगे। यह फिल्म अगले साल 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म की 40-45 फीसदी शूटिंग पूरी हो गई है। जाने-माने निर्देशक मारुथि फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं और उन्होंने ही इसकी कहानी भी लिखी है। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता थमन एस इस फिल्म का संगीत देने वाले हैं। 'राजा साब' को आप हिंदी के साथ तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषा में देख पाएंगे।

अजब महाराष्ट्र की गजब सियासत

विधायक बनने की चाह में पार्टियों में बंटा परिवार, कोई बीजेपी में तो कोई शिवसेना-एनसीपी में चमका रहा राजनीति

विश्लेषण
नितिन तोरस्कर

महाराष्ट्र की सियासत इन दिनों सचमुच एक दिलचस्प मोड़ पर है। राजनीतिक दलों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ पारिवारिक बंटवारे ने इसे और भी जटिल बना दिया है। बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए और कांग्रेस के इंडिया गठबंधन के बीच शह-मात का खेल चल रहा है, जिसमें सभी पार्टियाँ अपने-अपने आधार को मजबूत करने की कोशिश कर रही हैं। टिकट न मिलने पर कई नेता बागी हो रहे हैं, जिससे अंदरूनी कलह भी बढ़ रही है। परिवारों के भीतर बंटवारे की स्थिति इस बात का संकेत है कि कैसे राजनीतिक महत्वाकांक्षाएँ व्यक्तिगत रिश्तों पर भारी पड़ रही हैं। पवार और ठाकरे परिवार के बीच का संघर्ष तो सभी के लिए चर्चित है, लेकिन राणे और नाईक परिवारों का भी यही हाल है। नारायण राणे बीजेपी में हैं, जबकि उनके बेटे नीलेश राणे शिंदे की शिवसेना में जा रहे हैं। इसी तरह, गणेश नाईक और उनके बेटे संदीप नाईक ने भी अलग-अलग दलों का चुनाव किया है। इस बंटवारे से चुनावी मैदान में दिलचस्प मुकाबले देखने को मिलेंगे, जहां परिवारों के बीच की प्रतिस्पर्धा भी एक महत्वपूर्ण पहलू बन जाएगी। ऐसे में यह देखना रोचक होगा कि कौन-सी पार्टी इस सियासी उठापटक में सबसे अधिक फायदा उठाती है।

राणे परिवार बीजेपी और शिवसेना में बंटा

नारायण राणे का परिवार महाराष्ट्र की राजनीति में एक दिलचस्प उदाहरण पेश करता है। जहां एक ओर नारायण राणे और उनके छोटे बेटे नीतेश राणे बीजेपी में सक्रिय हैं, वहीं बड़े बेटे नीलेश राणे ने शिंदे की शिवसेना में शामिल होने का निर्णय लिया है। यह स्थिति दिखाती है कि कैसे राजनीतिक इच्छाएँ और अवसर परिवार के भीतर मतभेद पैदा कर सकती हैं। नीतेश राणे सिंधुदुर्ग कणकवली सीट से बीजेपी के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि नीलेश राणे अपनी राजनीतिक राह को नया मोड़ देने की कोशिश कर रहे हैं। इस बंटवारे के चलते न केवल राणे परिवार की सियासी स्थिति में उलटफेर हो रहा है, बल्कि यह भी दिखता है कि चुनावी मैदान में परिवारों के भीतर की प्रतिस्पर्धा किस तरह से काम कर रही है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि इन अलग–अलग रुखों का चुनाव परिणाम पर क्या असर पड़ेगा। नीलेश राणे का कुडाल सीट पर चुनाव लड़ने का फैसला निश्चित ही राजनीतिक परिदृश्य को रोचक बना रहा है। जहां एक ओर नारायण राणे और नीतेश राणे बीजेपी में सक्रिय हैं, वहीं नीलेश ने एकनाथ शिंदे की शिवसेना को चुनकर एक नया दिशा दी है। कुडाल सीट का चुनाव करना इस बात का संकेत है कि वह राणे परिवार के राजनीतिक वर्चस्व को भुनाने की कोशिश कर रहे हैं। एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल होकर नीलेश राणे अपने राजनीतिक करियर को नई ऊँचाई देने की तैयारी कर रहे हैं। उनका मुकाबला उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) के वैभव नाईक से होगा, जो चुनावी माहौल को और भी गर्म कर देगा। इस चुनावी टक्कर में न केवल परिवारों की राजनीतिक स्थिति, बल्कि पार्टियों के बीच की प्रतिस्पर्धा भी देखने को मिलेगी। यह देखना दिलचस्प होगा कि कौन सा उम्मीदवार इस राजनीतिक जंग में सफल होता है।

नाईक परिवार बीजेपी और एनसीपी में बंटा

नवी मुंबई की सियासत में नाईक परिवार का बंटवारा एक दिलचस्प और जटिल स्थिति को जन्म दे रहा है। गणेश नाईक, जो पहले एनसीपी में थे, अब बीजेपी के लिए चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि उनके बेटे संदीप नाईक ने चुनावी टिकट न मिलने पर शरद पवार की एनसीपी में शामिल होने का निर्णय लिया है। संदीप का बेलापुर से बीजेपी का टिकट न मिलना और फिर एनसीपी का दामन थामना इस बात का संकेत है कि राजनीतिक इच्छाएँ परिवार के भीतर भी टकरा सकती हैं। यह न केवल नाईक परिवार के लिए, बल्कि बीजेपी और एनसीपी के बीच भी प्रतिस्पर्धा को बढ़ा रहा है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या बीजेपी गणेश नाईक के खिलाफ कोई कार्रवाई करेगी, खासकर जब शिंदे की शिवसेना ने इस मुद्दे पर सवाल उठाना शुरू कर दिया है। इस स्थिति का राजनीतिक निहितार्थ और आगामी चुनावों में असर निश्चित रूप से देखने योग्य होगा। नाईक परिवार का बंटवारा पार्टी के भीतर भी एक नई राजनीतिक कहानी को जन्म दे सकता है।

महाडिक परिवार भी क्या बंट जाएगा?

बीजेपी के दिग्गज नेता धनंजय महाडिक का परिवार भी दो दलों के बीच बंटने के कगार पर खड़ा है। धनंजय महाडिक बीजेपी से राज्यसभा सांसद हैं। महाडिक के बड़े बेटे कृष्णराज महाडिक कोल्हापुर उत्तर सीट से चुनाव लड़ना चाहते हैं, लेकिन सीट शेयरिंग में यह सीट शिंदे की शिवसेना के कोटे में चली गई है। धनंजय महाडिक ने अपने बेटे के लिए देवेंद्र फडणवीस और सीएम एकनाथ शिंदे से मुलाकात की है। शिंदे की पार्टी से राजेश क्षीरसागर कोल्हापुर उत्तर सीट से चुनाव लड़ने की रेस में हैं। शिंदे कोल्हापुर की सीट को नहीं छोड़ते हैं, तो धनंजय के बेटे कृष्णराज महाडिक पाला बदलकर शिवसेना का दामन थाम सकते हैं।

भुजबल परिवार में क्या होगा बिखराव?

छगन भुजबल का परिवार भी महाराष्ट्र की सियासत में एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। छगन भुजबल, जो अजित पवार के करीबी माने जाते हैं, ने शरद पवार का साथ छोड़कर अपनी राह चुनी है। अब उनके भतीजे समीर भुजबल नंदगांव विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने की योजना बना रहे हैं, लेकिन यह सीट मौजूदा विधायक सुहास कांदे के पास है, जो शिंदे गुट की शिवसेना से जुड़े हैं। समीर भुजबल अब अपनी राजनीतिक संभावनाओं को तलाशने के लिए सक्रिय हैं। वह एनसीपी (एस) और उद्धव ठाकरे की शिवसेना के साथ संपर्क में हैं, जिससे उनकी सियासी दिशा को लेकर सवाल उठ रहे हैं। अगर नंदगांव विधानसभा सीट शरद पवार गुट को नहीं मिलती, तो समीर भुजबल ठाकरे की शिवसेना में शामिल होने का विकल्प चुन सकते हैं। यह स्थिति न केवल भुजबल परिवार के लिए चुनौतीपूर्ण है, बल्कि यह दिखाती है कि कैसे परिवार के भीतर भी राजनीतिक प्राथमिकताएँ बदल सकती हैं। इस सियासी उठापटक के बीच, यह देखना दिलचस्प होगा कि समीर भुजबल किस दल का दामन थामते हैं और इसके साथ ही नंदगांव सीट का भविष्य क्या होता है।

चुनावी चकल्लस

» अमित बृज

चाचा शरद की चाल में फिर फंसेंगे 'दादा

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों ने पूरी ताकत झोंक दी है। शिवसेना और एनसीपी दोनों दल टूटने के बाद पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ने जा रहे हैं। इन सबके बीच एक बात सामने आ रही है कि शरद पवार और अजित पवार की गढ़ कही जाने वाली बारामती सीट में लड़ाई फिर से रोचक हो सकती है। बारामती सीट को लेकर चर्चा है कि शरद पवार यहां से अपने पोते और अजित पवार के भाई श्रीनिवास पवार के बेटे युगेंद्र पवार को चुनाव लड़वा सकते हैं। शरद पवार के पोते युगेंद्र पवार अमेरिका की बोस्टन स्थित नॉर्थ-ईस्टर्न विश्वविद्यालय से 'बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन' में स्नातक हैं। पिछले कुछ दिनों से वो बारामती में लगातार सक्रिय हैं। हाल ही में उन्होंने बारामती स्वाभिमान यात्रा की शुरुआत की थी। युगेंद्र पवार को दादा शरद पवार का पूरा साथ मिल रहा है। अब चर्चा है कि महाविकास अधाड़ी की तरफ से युगेंद्र पवार अजित पवार के सामने मैदान में ताल ठोंक सकते हैं। युगेंद्र पवार ने अब तक खुलकर बारामती में चाचा अजित पवार से मुकाबले पर कुछ नहीं कहा है। हालांकि उन्होंने संकेत दिया कि अगर उन्हें मौका मिला तो वह पीछे नहीं हटेंगे।

'बड़ा भाई' बनेगी कांग्रेस

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति और महा विकास अघाड़ी के बीच सीट बंटवारे की जानकारी दिलचस्प है। महायुति में बीजेपी ने 152-155 सीटों पर चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है, जबकि एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी क्रमशः 70-80 और 52-54 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार सकती हैं। वहीं, महा विकास अघाड़ी में कांग्रेस को 105-110, शिवसेना यूबीटी को 90-95 और एनसीपी को 75-80 सीटों पर चुनाव लड़ने की संभावना है। यह सीट बंटवारा दोनों गठबंधनों के लिए चुनावी रणनीति को मजबूत करेगा। चुनावी माहौल में यह जानकारी अहम होगी, क्योंकि पार्टियों के लिए सही सीटें चुनना जीत की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। 2019 के विधानसभा चुनावों के बाद, कांग्रेस, उद्धव ठाकरे की शिवसेना, और शरद पवार की एनसीपी ने मिलकर महा विकास अघाड़ी (MVA) का गठन किया था। इस बार के महाराष्ट्र चुनाव में मुख्य मुकाबला दो गठबंधनों—महायुति और महा विकास अघाड़ी—के बीच होगा। महायुति में बीजेपी, एकनाथ शिंदे की शिवसेना, और अजित पवार की एनसीपी शामिल हैं। वहीं, महा विकास अघाड़ी को अपनी पिछले लोकसभा चुनावों में हासिल की गई बढ़त को दोहराने की उम्मीद है, जहां उसने महायुति को पीछे छोड़ दिया था। इस चुनाव में दोनों गठबंधनों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी, और यह देखने योग्य होगा कि कौन सा गठबंधन चुनावी रणनीति में अधिक सफल होता है।

हाईटेक बना कोपरगांव सीट

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर सत्ता पर काबिज महायुति में सीट शेयरिंग का फॉर्मूला लगभग तय हो चुका है। हालांकि, बीजेपी-शिवसेना (शिंदे) और एनसीपी (अजित पवार) ने अपनी-अपनी लिस्ट जारी कर कई सीटों पर उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर दिया है। जिसको लेकर अब मतभेद भी शुरू हो गया है।बताया जा रहा है कि इस मतभेद के मद्देनजर डिप्टी सीएम और बीजेपी के वरिष्ठ नेता देवेंद्र फडणवीस ने दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। इस बैठक में उनके सामने कोरपगांव का मामला उठाया गया, जिसको लेकर बीजेपी और एनसीपी (अजित पवार) के बीच मतभेद है।

वीवीआईपी उम्मीदवार : डीसीएम देवेंद्र फडणवीस

रणनीति
धीरज सिंह

राज्य में विधानसभा चुनाव का भले ही अभी ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन उसके पहले ही राजनीति अपने उफान पर है। पक्ष-विपक्ष एक दूसरे पर हमला का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। हालांकि, सबसे ज्यादा रोचक चुनाव उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के विधानसभा क्षेत्र दक्षिण-पश्चिम नागपुर विधानसभा में होने का दावा किया जा रहा है। कारण राज्य में महाविकास आघाड़ी के नेता सबसे ज्यादा फडणवीस पर हमलावर हैं। आगामी विधानसभा चुनाव में वह किसी भी कीमत पर उन्हें आसानी से नहीं जीतने देना चाहते हैं। वहीं भाजपा भी फडणवीस के लिए मैदान में उतर चुकी है। साथ ही जनता में भी इसको लेकर खूब चर्चा हो रही है। कोई 2014 की बात दोहराने की बात कर रहा तो कोई टफ फाइट होने का दावा कर रहा।

देवेंद्र फडणवीस का गढ़

दक्षिण पश्चिम विधानसभा सीट भाजपा या कहें देवेंद्र फडणवीस का गढ़ माना जाता है। जब से यह सीट बनी है। फडणवीस लागातार यहां से चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंच रहे हैं। 2009, 2014 या 2019 फडणवीस के जीत का जो मार्जिन है वह लगातार बढ़ता ही गया है। 2014 में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर उतरे फडणवीस ने दक्षिण पश्चिम में 56 हज़ार से ज्यादा वोटों से जीता था। वहीं 2019 के चुनाव में मुख्यमंत्री रहते उन्हें 54 हज़ार से ज्यादा वोटों की मार्जिन से चुनाव में जीत मिली थी।

नागपुर साउथ वेस्ट विधानसभा सीट पर कौन रहा अब तक विजयी

2009–देवेंद्र फडणवीस (बीजेपी) 89,258 वोट

2014– देवेंद्र फडणवीस (बीजेपी) 113,918 वोट

2019– देवेंद्र फडणवीस (बीजेपी) 109,237 वोट

वर्तमान में परिस्थिति थोड़ी बदली हुई

हालांकि, वर्तमान में परिस्थिति थोड़ी बदली हुई है। नागपुर में आई बाढ़ सहित राज्य सरकार को लेकर जनता में दिख रही नाराजगी ने उपमुख्यमंत्री के सामने मुश्किल खड़ी कर दी है। वहीं हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में केंद्रीय मंत्री गडकरी को 2019 के मुकाबले दक्षिण पश्चिम से कम वोट मिले। जिसके बाद विपक्षी उत्साहित हैं। कांग्रेस को लगता है इस बार वह दक्षिण पश्चिम में फडणवीस को मुश्किल में डाल सकते हैं। नागपुर शहर अध्यक्ष विकास ठाकरे ने तो आगमी विधानसभा चुनाव में देवेंद्र को हराने तक का दावा कर दिया है। विधानसभा में बदली स्थिति को देखते हुए कांग्रेस सहित महाविकास आघाड़ी नेताओं ने अपनी तैयारी को धार देना शुरु कर दिया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल गुड़धे ने यहां से चुनाव लड़ने के सबसे बड़े दावेदार माने जा रहे हैं। गुडधे बीते एक साल से चुनाव की तैयारियों में लगे हुए हैं। वह किसी न किसी मुद्दे पर फडणवीस पर हमला बोलने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। वहीं चुनाव नजदीक आते ही विधानसभा क्षेत्र में बैनर पोस्टर के जरिए फडणवीस पर हमला और तंज कस रहे हैं। यहीं नहीं 2024 के लोकसभा चुनाव में विकास ठाकरे से अपनी दुश्मनी भुलाकर शहर भर में प्रचार किया। हालांकि, एनसीपी नेता अनिल देशमुख के नाम की भी चर्चा चल रही है लेकिन उनके नाम पर कांग्रेस नेताओं ने कुछ नहीं कहा है।

एक्टिव मोड पर भाजपा: विधानसभा में बदली हुई स्थिति को देखते हुए फडणवीस सहित भाजपा भी एक्टिव मोड पर है। फडणवीस लागातार पार्टी के कार्यकर्ताओं और लोगों से मिलकर बात कर रहे हैं। सभा ले रहे हैं। वहीं उनके साथ भाजपा भी जमीन पर उतर चुकी है। पार्टी खुद को बूथ स्तर पर मजबूत करने में लगी हुई है। शक्ति प्रमुख, बूथ प्रमुखों की लगातार बैठकें लेकर मतदाताओं से संवाद साधने का प्रयास किया जा रहा है। चुनाव को लेकर दोनों पार्टियों की तैयारी को लेकर आम जनता में भी चर्चा जोरों पर है। चाय, टपरी, गार्डन सहित अन्य जगहों में बैठने वाले लोगों के बीच यह हॉट टॉपिक बना हुआ है। दोनो दलों या नेताओं की तैयारियों को देखकर सभी अपना अपना आंकलन करने में लगे हुए हैं। लोगों में सबसे ज्यादा चर्चा फडणवीस वर्सेज गुडधे की हो रही है। अगर दोनों के बीच मुकाबला होता है तो परिणाम क्या निकलेगा इसको लेकर सभी अपनी अपनी बात रुख रहे हैं। कोई कहता है अगर दोनों के बीच लड़ाई हुई तो फिर एक बार 2014 वाला परिणाम दिखाई देगा। इसके पीछे तर्क देते हुए कहते हैं कि, फडणवीस बड़े नेता और मजबूत नेता हैं। वही प्रफुल्ल भले ही पांच बार नगरसेवक रहे हो लेकिन उन्हें उनके क्षेत्र जयतला के बाहर कोई नहीं जानता। कुछ तो यह भी दावा करते हुए सुनाई देते हैं कि, कांग्रेस के लोग खुद चाहते हैं गुड़धे चुनाव न जीते। हालांकि, कई चुनाव में टक्कर होने की बात भी कर रहे हैं। पिछले कुछ सालों में विधानसभा में आई समस्या, जनता से फडणवीस की दूरी सहित अन्य कारणों का हवाला देते हुए चुनाव एक तरफा नहीं होने की बात कही।